सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 253 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 26 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

महतारी वंदन योजना में फिर मिलेगा आवेदन का मौका, नई पात्र महिलाओं के लिए जल्द खुलेगा पोर्टल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महतारी वंदन योजना से वंचित पात्र महिलाओं के लिए राहत भरी खबर है। सरकार जल्द ही पोर्टल दोबारा शुरू करने जा रही है, जिससे नई पात्र विवाहित महिलाओं को आवेदन करने का अवसर मिलेगा। महिला एवं बाल विकास विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है और जल्द ही प्रक्रिया शुरू होगी।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि योजना के विस्तार को लेकर मुख्यमंत्री से सहमति मिल चुकी है। विभागीय स्तर पर तकनीकी और प्रशासनिक तैयारियां अंतिम चरण में हैं। संभावना है कि एक सप्ताह के भीतर पोर्टल आम लोगों के लिए उपलब्ध करा दिया जाएगा। सरकार चरणबद्ध तरीके से आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की योजना बना रही है।

पहले चरण में बस्तर संभाग के जिलों में पोर्टल खोला जाएगा। इसके बाद प्रदेश के अन्य संभागों में भी पात्र महिलाओं के लिए पंजीयन और आवेदन की सुविधा शुरू की जाएगी। यह पहल उन महिलाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगी जो किसी कारणवश पहले आवेदन नहीं कर पाई थीं या पात्र होने के बावजूद योजना की सूची में शामिल नहीं हो सकी थीं। नए पंजीयन के माध्यम से उन्हें भी योजना का लाभ मिलने का रास्ता खुलेगा। महतारी वंदन योजना के तहत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना का उद्देश्य महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना, परिवार में उनकी भागीदारी बढ़ाना और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना है। पोर्टल शुरू होने के बाद इच्छुक महिलाएं निर्धारित दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी।

खास-खबर

रीचेकिंग के बाद चमकी किस्मत, 10-12वीं मेरिट लिस्ट में जुड़े 26 नए नाम

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने बोर्ड परीक्षा 2026 के पुनर्गणना और पुनर्मूल्यांकन के परिणाम जारी कर दिए हैं। संशोधित परिणामों के बाद हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी दोनों की मेरिट सूची में 13-13 नए विद्यार्थियों का नाम जुड़ गया है। इसके साथ ही 10वीं की मेरिट सूची में विद्यार्थियों की संख्या 42 से बढ़कर 55 और 12वीं की मेरिट सूची 43 से बढ़कर 56 हो गई है। माशिमं के अनुसार, परीक्षा परिणाम से असंतुष्ट विद्यार्थियों द्वारा किए गए आवेदनों के आधार पर उत्तरपुस्तिकाओं की दोबारा जांच की गई। पुनर्मूल्यांकन के बाद बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अंकों में वृद्धि दर्ज की गई, जिससे कई छात्र मेरिट सूची में स्थान बनाने में सफल रहे।

रायपुर में गांजा तस्करी के मामले में महिला आरोपी दोषी करार, कोर्ट ने सुनाई सजा

रायपुर। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में विशेष न्यायालय ने महिला आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। मामले में आरोपी पर मादक पदार्थ के अवैध कारोबार का आरोप था। पुलिस के अनुसार, पुरानी बस्ती थाना में अपराध क्रमांक 17/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोपी हिना परवीन उर्फछोटी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। मामले की सुनवाई के बाद विशेष एनडीपीएस न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी करार दिया। अदालत ने उसे 9 जनवरी 2026 से 24 जून 2026 तक के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 30 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। जुर्माना जमा नहीं करने की स्थिति में आरोपी को न्यायालय द्वारा निर्धारित अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

छत्तीसगढ़ में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, 27 जून से तेज होगी बारिश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले दो दिनों से उमस और गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है, लेकिन अब मौसम में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग ने 27 जून से प्रदेशभर में बारिश की गतिविधियां तेज होने का अनुमान जताया है। साथ ही अगले तीन से चार दिनों के भीतर दक्षिण-पश्चिम मानसून के राज्य के शेष हिस्सों तक पहुंचने की संभावना भी व्यक्त की गई है।

मुख्यमंत्री साय की सख्ती से खनिज माफियाओं पर शिकंजा

दो माह में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के 1700 से ज्यादा मामले दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सख्त प्रशासनिक रुख का असर अब खनिज माफियाओं पर साफ दिखाई देने लगा है। राज्यभर में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत ताबड़तोड़ कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। राज्य में अप्रैल और मई 2026 के दौरान उक्त कार्रवाई के तहत 1,747 प्रकरण दर्ज कर 6 करोड़ 49 लाख 50 हजार 903 रुपये से अधिक जुर्माना वसूल किया गया। इस दौरान सबसे अधिक 1487 मामले अवैध परिवहन के सामने आए, जबकि 231 प्रकरण अवैध उत्खनन और 29 मामले अवैध भंडारण के दर्ज किए गए। इससे यह पता चलता है कि सरकार ने खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला पर कड़ी निगरानी रखते हुए कार्रवाई तेज कर दी है।

बलौदाबाजार-भाटापारा में सबसे ज्यादा कार्रवाई

अवैध उत्खनन के मामलों में बलौदाबाजार-भाटापारा जिला सबसे ऊपर रहा है, जहां 44 प्रकरण दर्ज किए गए। इसके बाद रायपुर में 15 तथा कबीरधाम में 14 और बालोद में 14 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। दूसरी ओर, अवैध परिवहन के सबसे अधिक रायपुर में 173 मामले दर्ज हुए। इसके बाद जांजगीर-चांपा में 162, बिलासपुर में 101 और धमतरी में 101 मामले पकड़ में आए हैं। अवैध भंडारण के सर्वाधिक 8 प्रकरण रायपुर में दर्ज किए गए, जबकि दंतेवाड़ा में 4 तथा कांकेर में 3 और बिलासपुर में 3 मामले पकड़ाए हैं।

अवैध उत्खनन में सबसे अधिक 55.32 लाख रुपये की दाण्डिक राशि दंतेवाड़ा जिले में वसूल की गई है। अवैध परिवहन में सर्वाधिक 54.69 लाख रुपये रायपुर से वसूले गए, जबकि अवैध भंडारण में भी सबसे अधिक 12.58 लाख रुपये की दाण्डिक राशि रायपुर में वसूली गई। इस प्रकार कुल दांडिक राशि की वसूली के मामले में रायपुर जिला पूरे प्रदेश में सबसे आगे रहा है।

जुर्माना राशि भी बढ़ाई

गौण खनिज नियमों में संशोधन के बाद अब किसी भी मामले में समझौता (प्रशमन) राशि 25 हजार रुपये से कम नहीं होगी। अवैध परिवहन पर प्रति टन 2 हजार रुपये की दर से प्रशमन शुल्क के साथ-साथ खनिज का पूरा मूल्य भी अलग से वसूला जाएगा। ट्रैक्टर से अवैध रेत परिवहन करने पर भी न्यूनतम 25 हजार रुपये का जुर्माना और रेत का मूल्य देना होगा। जब्त वाहन, मशीन या उपकरण की सुपुर्दगी से पहले संबंधित न्यायालय में वाहन की श्रेणी के अनुसार 50 हजार रुपये से लेकर 3 लाख रुपये तक की सुरक्षा राशि जमा करनी होगी, इसके बाद ही वाहन छोड़ा जाएगा।

पानी टंकी के पास सो रहे युवक की आपसी विवाद में हत्या

पत्थर से सिर कुचला, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र के ग्राम डूमर में आपसी विवाद के चलते एक युवक की हत्या कर दी गई। 25 जून की देर रात करीब 12 बजे पानी टंकी के पास सो रहे 25 वर्षीय चेतन ठाकुर का सिर भारी वस्तु से कुचलकर उसकी हत्या की गई।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि चेतन ठाकुर पानी टंकी के पास सो रहा था, तभी आरोपी ने उस पर भारी वस्तु से हमला किया। सिर पर गंभीर चोट लगने से चेतन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही नंदिनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

हत्या की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच और नंदिनी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई की। टीम ने संदेही रैनू राम यादव (22) को हिरासत में लिया। पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने उसे हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह आपसी विवाद सामने आई है। पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच जारी है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस हत्या में इस्तेमाल भारी वस्तु और अन्य सबूत जुटाने में भी लगी हुई है।

एलपीजी टैंकर टोल से टकराया, आग लगने से जिंदा जला ड्राइवर, 16 बाइकें और 2 कारें खाक

कौशांबी। यूपी के कौशांबी में शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे एक एलपीजी टैंकर बेकाबू होकर टोल प्लाजा से टकरा गया। टक्कर के बाद तेज धमाका हुआ और टैंकर में आग लग गई। हादसे में टैंकर चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई। उसका शव पूरी तरह जल गया और कंकाल का कुछ हिस्सा ही बरामद हो सका। वहीं, पांच टोल कर्मचारी भी झुलस गए।

सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक टैंकर पूरी तरह जल चुका था। टोल प्लाजा के यार्ड में खड़ी 16 बाइकें और दो कारें भी आग की चपेट में आकर जल गईं। आग बुझने के बाद जब टीम टैंकर के अंदर पहुंची तो चालक की हड्डियां मिलीं। इससे पहले सूचना मिली थी कि चालक टैंकर से

कूदकर अपनी जान बचाने में सफल हो गया है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। आग की ऊंची लपटों को देखकर टोल प्लाजा के दोनों ओर बसों और कारों की लंबी कतारें लग गईं। यह हादसा जिला मुख्यालय से करीब 16 किलोमीटर दूर कोखराज थाना क्षेत्र के सिहोरी टोल प्लाजा पर हुआ।

रेलवे की 9 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलाने की तैयारी, दिल्ली-मुंबई रूट भी शामिल

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे आधुनिक सुविधाओं से लैस वंदे भारत ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। फिलहाल रेलवे वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को शुरू करने पर फोकस कर रहा है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें लंबी दूरी की यात्रा के लिए डिजाइन की गई हैं और रात की यात्रा के लिए ज्यादा आरामदायक हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रेलवे ने 9 नए रूटों पर वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू करने की योजना बनाई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे वंदे भारत स्लीपर ट्रेन नेटवर्क को बढ़ाने के लिए तैयार है, जिसमें 9 नए रूट पर ट्रेनें चलाने की बातचीत चल रही है। इसमें दिल्ली-मुंबई रूट भी शामिल है। इसके अलावा, रेलवे कई दूसरे रूट पर भी विचार किया जा रहा है। इनमें नई दिल्ली-अहमदाबाद, नई दिल्ली-हावड़ा, नई दिल्ली-चेन्नई, नई दिल्ली-सिकंदराबाद, नई दिल्ली-पुणे, मुंबई-अहमदाबाद और नई दिल्ली-श्रीनगर शामिल हैं। हालांकि, रेलवे अभी तक इन रूट्स की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है। ये अभी प्रस्तावित रूट हैं।

रामगढ़ में ट्रक-पिकअप में टक्कर, 8 लोगों की मौत, केबिन में फंसा चालक

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले में गुरुवार देर रात हुए सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। एक्सीडेंट रजरप्पा थाना क्षेत्र के लारी-बरलौंग के पास रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग (एनएच-23) पर हुआ। कोयला लदे एक ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार सभी लोग बैंड-ताशा पार्टी से जुड़े थे, उनके सामान बैंड-बाजे सड़क पर बिखर गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा, जबकि ट्रक को मौके पर छोड़ ड्राइवर भाग निकला। घटनास्थल पर सात लोगों की मौत हुई। वहीं, गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को रांची रेफर किया गया, जिसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

छत्तीसगढ़ सरकार का बड़ा फैसला, आईपीएस बद्रीनारायण मीणा को मिली बस्तर रेंज के आईजी की जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी बद्रीनारायण मीणा को बस्तर रेंज का नया पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) नियुक्त किया है। गृह (पुलिस) विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, वर्तमान में पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर में आईजी के रूप में पदस्थ मीणा को आगामी आदेश तक बस्तर रेंज, जगदलपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बस्तर रेंज प्रदेश का सबसे संवेदनशील और नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता है। ऐसे में यहां आईजी की नियुक्ति को प्रशासनिक और सुरक्षा दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। नए दायित्व के तहत मीणा क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, सुरक्षा रणनीति और नक्सल विरोधी अभियानों की निगरानी करेंगे।

बद्रीनारायण मीणा वर्ष 2004 बैच के

आईपीएस अधिकारी हैं। यूपीएससी परीक्षा में सफलता के बाद उन्हें छत्तीसगढ़ कैडर मिला था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 2004 में की और इसके बाद राज्य के कई महत्वपूर्ण जिलों में पुलिस अधीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के रूप में सेवाएं दीं। मीणा बलरामपुर, कबीरधाम, राजनांदगांव, जगदलपुर, कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, रायगढ़ और दुर्ग जैसे जिलों में एसपी और एसएसपी रह चुके हैं।

सुंदरराज पी के केंद्र प्रतिनियुक्ति पर जाने से खाली हुआ पद

बस्तर रेंज के पूर्व आईजी सुंदरराज पी को हाल ही में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (ह्रु) में इंस्पेक्टर जनरल के पद पर नियुक्त किया गया है। उनके केंद्र में पदस्थ होने के बाद बस्तर आईजी का पद रिक्त हो गया था, जिसे अब बद्रीनारायण मीणा को सौंपा गया है। बस्तर में सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए मीणा के अनुभव को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की रणनीति, स्थानीय पुलिसिंग और विकास कार्यों के समन्वय में उनकी भूमिका अहम रहेगी। सरकार को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में बस्तर में शांति, सुरक्षा और विकास की दिशा में चल रहे प्रयासों को और मजबूती मिलेगी।

संपादकीय

भरोसे के रिश्ते का कत्ल

हत्या के बजाय ना कहना ज्यादा सरल था

आम भारतीय की स्मृति से एक साल पहले मेघालय में इंदौर की सोनम रघुवंशी द्वारा अपने हनीमून के दौरान पति राजा रघुवंशी की हत्या की घटना अभी मिटी नहीं है। सोनम ने पहाड़ी से अपने पति को धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया था। साजिश में उसका प्रेमी राज सिंह भी शामिल था। अब ऐसा ही मामला पुणे में सामने आया है जब सिया गोयल नामक युवती ने अपने मंगेतर केतन अग्रवाल को लौहगढ़ स्थित ऊंची पहाड़ी से धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया। दोनों धनाढ्य परिवारों से थे। इस साल की शुरुआत में सगाई हुई थी और इसी साल के अंत में उनकी शादी होने जा रही थी। हत्या की दोनों ही घटनाओं में प्रेम का दूसरा कोण मौजूद रहा। पहली घटना में खलनायक प्रेमी राज सिंह तो दूसरी घटना में चेतन चौधरी। दोनों ही घटनाओं में पति व मंगेतर को कांटा मानकर जीवन से हटाना और प्रेमी के दिखाए सब्जबाग संग जीने की उत्कट चाह थी। लेकिन ये कोई सामान्य दुर्घटनाएं नहीं हैं, एक सुनियोजित साजिश हैं,भरोसे के रिश्तों के कत्ल की। भारतीय समाज में ये घटनाएं अस्वाभाविक हैं और परिवार संस्था में भरोसा रखने वाले हर व्यक्ति को उद्वेलित करती हैं। यह समाज विज्ञानियों के लिये मंथन का विषय है कि कोई स्त्री कैसे अपने पति या होने वाली पति की हत्या करने की सोच बना लेती है? सोच बनाती ही नहीं है बल्कि उसे साजिश रचकर अंजाम भी देती है। यहां सवाल उठता है कि यदि सोनम व सिया परिवार द्वारा तय किए गए रिश्ते में नहीं बंधना चाहती तो ना कहने का साहस तो कर ही सकती थीं? निश्चय ही हत्या करने से ना कहना ज्यादा आसान है। धनाढ्य परिवार के केतन की तो अभी सगाई ही हुई थी, जिसे टाला भी जा सकता था। सिया के न चाहने पर परिवार के लोग केतन को खोने के बजाय रिश्ते को मन मारकर तोड़ देते।

> “ इस साल की शुरुआत में सगाई हुई थी और इसी साल के अंत में उनकी शादी होने जा रही थी। हत्या की दोनों ही घटनाओं में प्रेम का दूसरा कोण मौजूद रहा। पहली घटना में खलनायक प्रेमी राज सिंह तो दूसरी घटना में चेतन चौधरी। दोनों ही घटनाओं में पति व मंगेतर को कांटा मानकर जीवन से हटाना और प्रेमी के दिखाए सब्जबाग संग जीने की उत्कट चाह थी। लेकिन ये कोई सामान्य दुर्घटनाएं नहीं हैं, एक सुनियोजित साजिश हैं,भरोसे के रिश्तों के कत्ल की। भारतीय समाज में ये घटनाएं अस्वाभाविक हैं और परिवार संस्था में भरोसा रखने वाले हर व्यक्ति को उद्वेलित करती हैं।

निश्चय ही केतन व राजा रघुवंशी की सुनियोजित हत्याएं हमें परेशान करती हैं। भले ही ये घटनाएं इक्का-दुक्का हों, लेकिन समाज के विश्वास को गहरे तक खंडित करती हैं। कोई सोच भी नहीं सकता कि किसी मधुर रिश्ते का ऐसा खौफनाक अंत हो सकता है। जिस सिया के साथ सुनहरे जीवन के सपने केतन ने देखे होंगे, उस पर तब क्या बीती होगी, जब उसने सिया को उसे पहाड़ी से धक्का देते हुए देखा होगा? उसके मां-बाप पर क्या बीत रही होगी, जिन्होंने उसकी शादी के लिये शाही तैयारियां शुरू कर दी थीं। हमारे समाज में वैवाहिक रिश्तों में पैदा होने वाली हिंसा, टकराव, अलगाव और कोर्ट-कचहरी का ट्रेंड गंभीर स्थिति की ओर इशारा करता है। सवाल यह है कि नौ महीने कोख में रखने वाली मां और खून-पसीने से लालन-पालन करने वाले पिता के सोचे-विचारे फैसलों को नई पीढ़ी द्वारा क्यों खारिज किया जा रहा है? क्या समाज में दूषित खानपान, विषाक्त सोच का बाजार, रिश्तों में बढ़ता अविश्वास और एकाकी परिवारों का त्रास युवा पीढ़ी को आक्रामक बना रहा है? मोबाइल संस्कृति की घातकता व तेजी से फैलता नकारात्मक कंटेंट संबंधों में विकृतियां ला रहा है। मोबाइल फोन जो कभी रिश्तों को जोड़ता था, अपराध का साधन बन रहा है। सोनम व राज सिंह की साजिश हो या सिया व चेतन का षड्यंत्र, उसमें मोबाइल भी सहभागी बना है। पुलिस ने भी चेतन से हुई सिया की हजारों कॉलों का विवरण दिया है। आज साजिशें मोबाइल पर ही रची जाती हैं और मोबाइल से ही अंजाम दी जाती हैं। निश्चय ही सोनम व सिया की साजिशें वैवाहिक जीवन में प्रवेश करने की सोच रहे युवाओं के मन में कई तरह के संशयों को जन्म देंगी। वजह साफ है कि इन हत्याओं से रिश्तों में विश्वास का खून हुआ है। नकारात्मक घटनाएं इक्का-दुक्का ही होती हैं लेकिन ये अप्रत्याशित व असमान्य घटनाएं आम आदमी की सोच को गहरे तक प्रभावित करती हैं। जो समाज में सहज-सरल रिश्तों के प्रति अविश्वास पैदा करती हैं। ऐसी सोच का नकारात्मक परिणाम भारतीय आदर्श स्त्री की प्रतिष्ठा पर भी आंच ला सकता है। यही वजह है कि आज नई पीढ़ी के कई युवा विवाह संस्था में प्रवेश से कतराने लगे हैं।

गर्मी से झुलसते यूरोप के लिए जागने का वक्त

पुष्परंजन

वर्ष 2025 के एक यूरोपीय विश्लेषण में अनुमान लगाया गया कि अकेले 2024 में यूरोप में गर्मी से 62,775 मौतें हुईं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, '2024 में भारत में लू (हीटवेव) के कारण कुल 1,832 मौतें दर्ज की गईं थी।' यूरोप में भारत के मुक़ाबले भयावह स्थिति है। पूरे यूरोप के नक्शे पर लाल रंग फैल गया है। तापमान के रिकॉर्ड एक के बाद एक टूट रहे हैं। हालांकि, फ्रांस सबसे ज़्यादा प्रभावित है। बुधवार, 24 जून 2026 को वहां के 58 प्रशासनिक इलाक़ों में रेड अलर्ट का सबसे ऊंचा स्तर था, जो पिछले दिन से चार ज़्यादा थे। लेकिन, गर्मी की मार झेलने वाला यह अकेला देश नहीं है। स्पेन, इटली, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे पड़ोसी देशों में भी तापमान बहुत बढ़ गया। मई के आखिर में आई ऐतिहासिक हीटवेव के बाद, एक महीने से भी कम समय में यह दूसरी बार हुआ है।

लैबोरेटरी ऑफ़ क्लाइमेट एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज़ के रिसर्च डायरेक्टर डेविड फारंडा ने कहा, 'यूरोप बाकी दुनिया की तुलना में दोगुनी तेज़ी से गर्म हो रहा है, और हीटवेव के दौरान यह असर और भी ज़्यादा साफ़ दिखता है।' यूरोप भूमध्य सागर के पास है, जो बहुत गर्म है, और ग्रीनलैंड से भी दूर नहीं है, जहां बर्फ़ बहुत तेज़ी से पिघल रही है। हवा की धाराएं रुक जाती हैं, और 'हीट डोम' बनाती हैं।

स्पेन के तट के पास ठंडी हवा का एक हिस्सा 'हेयर ड्रायर' की तरह काम कर रहा है, जो झुलसा देने वाली हवा को खींच रहा है। गुज़िश्ता साल, जर्मनी के इंडस्ट्री और एनर्जी सेक्टर से उम्मीद से कम कार्बन उत्सर्जन हुआ। हालांकि, यह अच्छी खबर थोड़ी भ्रामक है। जहां रिन्यूएबल एनर्जी में बढ़ोतरी हुई है, वहीं पिछले साल उत्सर्जन में कमी की मुख्य वजह जर्मनी की रुकी हुई अर्थव्यवस्था है। ये नतीजे जर्मनी की ' काउन्सिल ऑफ एक्सपर्ट्स ऑन क्लाइमेट चेंज' के हैं। यह कमेटी इस बात पर रिपोर्ट और अनुमान भी तैयार करती है कि क्या जर्मनी की जलवायु नीतियां असरदार साबित हो रही हैं या नहीं।

कई देशों में, ख़ासकर यूरोप में, हीट वेव के दौरान पुरुषों की तुलना में ज़्यादा महिलाओं की मौत होती है। कुछ शोधकर्ताओं ने इस अंतर को समझाने की कोशिश की है; इसके पीछे सिर्फ़ यह वजह नहीं है कि महिलाएं ज़्यादा समय तक जीवित रहती हैं, बल्कि शारीरिक और व्यवहार से जुड़े कारण भी हैं। 2003 में फ्रांस में पड़ी भीषण गर्मी (हीटवेव) के दौरान, 55 साल से ज़्यादा उम्र के लोगों में गर्मी से होने वाली मौतों की संख्या पुरुषों की तुलना में महिलाओं में 15 फीसद ज़्यादा थी। 2006 में फ्रेंच नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ एंड मेडिकल रिसर्च के कई शोधार्थियों ने इस घटना का हवाला दिया था। फ्रांस कोई अपवाद नहीं है। उदाहरण के लिए, नीदरलैंड में कई स्टडीज़ की गई हैं जिनमें हीटवेव से होने वाली मौतों में लिंग के आधार पर काफ़ी अंतर देखा गया है। वर्ष 2021 में इस विषय पर एम्स्टर्डम स्थित 'ब्रिजे उनिवर्सितेत' के रिसर्चर्स ने कई संभावित कारण बताए। इनमें पसीना आने में अंतर, कार्डियोवैस्कुलर तनाव (दिल पर दबाव), शरीर के सतह क्षेत्र और वज़न का अनुपात, और महिलाओं के अकेले रहने या घर में ज़्यादा सक्रिय रहने की संभावना जैसे कारण शामिल हैं।

यूरोप, जिसने गुज़िश्ता गर्मी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, लाखों लोगों को बिजली के बिना छोड़ दिया है और इस महाद्वीप में एयर कंडीशनर की बिक्री बढ़ गई है। जिसका उपयोग आम घरों में अमूमन पहले नहीं होता था। विशेषज्ञों का कहना है कि चरम मौसम वायुमंडलीय पैटर्न से प्रेरित हो रहा है, जो गर्म हवा को कई दिनों तक फंसाए रखता है। ऐसे देशों में पंखों और एयर कंडीशनरों की बिक्री आसमान छू गई जहां अधिकांश इमारतें अत्यधिक गर्मी से निपटने के लिए डिज़ाइन नहीं की गई हैं।

इटली के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को मिलान और रोम सहित 16 शहरों में रेड हीटवेव अलर्ट घोषित किया। आने वाले दिनों में गर्मी का प्रकोप पूर्वी यूरोप तक बढ़ने की आशंका है। पोलैंड की मौसम सेवा ने गुरुवार से शनिवार तक देश के पश्चिमी हिस्से के लिए उच्च स्तरीय गर्मी की चेतावनी जारी की, पूर्वानुमान है कि तापमान 1921 में बनाए गए 40.2 डिग्री सेल्सियस के रिकॉर्ड को तोड़ सकता है। क्रोएशिया के लोकप्रिय एड्रियाटिक तट को भी रेड अलर्ट के तहत रखा गया था। हंगरी, जो पहले से ही दूसरे स्तर की गर्मी की चेतावनी के तहत है, ने कहा कि तापमान में वृद्धि जारी रहने के कारण वह शनिवार से मंगलवार तक इसे अधिकतम स्तर तक बढ़ा रहा है।

इस सप्ताह प्रकाशित एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, वर्तमान हीटवेव 'मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन के कारण काफी बढ़ गई है।' जर्मनी 2045 तक नेट ग्रीनहाउस गैस न्यूट्रैलिटी और 2050 से नेट-नेगेटिव उत्सर्जन हासिल करना चाहता है। 'क्लाइमेट चेंज पर एक्सपर्ट्स की काउंसिल' की चेयरवुमन बारबरा श्लोमन का कहना है कि अब तक उठाए गए कदम इन लक्ष्यों को हासिल करने में साफ तौर पर नाकाम रहे हैं। खासकर ट्रांसपोर्ट और बिल्डिंग सेक्टर अपने जलवायु लक्ष्यों से काफी पीछे हैं। अच्छी बात यह है कि जर्मनी के जंगलों में कुछ सुधार दिख रहा है। वे न केवल महत्वपूर्ण इकोसिस्टम बनाते हैं, बल्कि अहम कार्बन सिंक के तौर पर भी काम करते हैं। इसका मतलब है कि वे वातावरण से ग्रीनहाउस गैसों को सोखते हैं और उन्हें बायोमास में बदलते हैं। फिर भी, कुल मिलाकर स्थिति निराशाजनक लग रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जंगल, दलदली इलाके, घास के मैदान और खेती वाली ज़मीन जैसे इकोसिस्टम, जो आम तौर पर कार्बन जमा करते हैं, अब ग्रीनहाउस गैसें छोड़ने लगे हैं।

जर्मनी के जलवायु पर सबसे ज़्यादा असर डालने वाले क्षेत्र उद्योग, ऊर्जा और परिवहन हैं। एक जर्मन कोर्ट ने सरकार को क्लाइमेट बचाव की कोशिशों को और बढ़ाने के लिए मजबूर किया, जिसके बाद सांसदों ने मार्च में एक और पैकेज पेश किया। इस प्रोग्राम का मकसद विंड पावर को तेज़ी से बढ़ाना, बायोफ्यूल को मज़बूत करना, इलेक्ट्रिक गाड़ियों और लोकल ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देना, और इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन में नैचुरल गैस के बजाय बिजली के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है। एक्सपर्ट्स चेतावनी देते हैं कि अगर इस नए कार्यक्रम से कार्बन उत्सर्जन की बचत पूरी तरह से हासिल भी हो जाती है, तो भी जर्मनी अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों तक नहीं पहुंच पाएगा।

वर्ष 2025 के एक यूरोपीय विश्लेषण में अनुमान लगाया गया कि अकेले 2024 में यूरोप में गर्मी से 62,775 मौतें हुईं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, '2024 में भारत में लू (हीटवेव) के कारण कुल 1,832 मौतें दर्ज की गईं थी।' यूरोप में भारत के मुक़ाबले भयावह स्थिति है। 'द लैंसेट काउंटडाउन' की रिपोर्ट से जानकारी मिली कि, बुजुर्गों में गर्मी से होने वाली मौतों में तेज़ी से बढ़ोतरी हुई है। क्या यह पूरी मानव जाति के लिए वेकऑप कॉल है?

लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।

अनूठे रिकॉर्डों से सजा करिश्माई खेल

हरजित सिंग

वर्ष 2022 फीफा विश्व कप में मेसी ने अर्जेंटीना को 36 वर्षों में अपनी पहली विश्व कप जीत दिलाई। फाइनल में दो बार गोल करके फ्रांस को हराया। टूर्नामेंट के दौरान सात गोल करने और तीन गोल में सहायता देने के बाद, मेसी ने एक बार फिर गोल्डन बॉल पुरस्कार जीता और इसे दो बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

अर्जेंटीना के फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी को अब तक के सर्वश्रेष्ठ ड्रिबलरों में से एक माना जाता है। अर्जेंटीनी कप्तान इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक के रूप में ख्याति अर्जित कर चुके है। वर्तमान फीफा विश्व कप में उन्होंने कीर्तिमानों की झड़ी लगा दी हैं। सवार्धिक छह फीफा विश्व कप में भाग लेकर सर्वाधिक मैच (28), सर्वाधिक गोल (18) के साथ-साथ सब से बड़ी उम्र (38 वर्ष और 357 दिन) के हैट-ट्रिक मारने वाले खिलाड़ी बने।

वर्ष 2026 विश्व कप अभी तक उन्हीं के नाम रहा है। दो मैचों में पांच गोल— अल्जीरिया के विरुद्ध तीन और ऑस्ट्रिया के विरुद्ध दो। ऑस्ट्रिया के विरुद्ध वह एक पेनल्टी गंवा बैठे थे। विश्व कप में 10 में तीन पेनल्टी गंवाने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम हो गया है। अपने छोटे कद के कारण, मेसी के पास लंबे खिलाड़ियों की तुलना में गुरुत्वाकर्षण का एक कम केंद्र है, जो उसे अधिक चपलता देता है, जिससे वह अधिक तेज़ी से दिशा बदल सकता है और विरोधी टैकल से बच सकता है। मेसी मुख्य रूप से बाएं पैर के खिलाड़ी हैं; अपने बाएं पैर के बाहरी हिस्से के साथ, वह आमतौर पर ड्रिब्लिंग रन शुरू करते हैं, जबकि वह अपने पैर के अंदर का उपयोग पास और सहायता प्रदान करने के लिए करते है। एक शानदार गोल करने वाले, मेसी को उनकी फिनिशिंग, पोजिशनिंग, त्वरित प्रतिक्रियाओं और रक्षात्मक लाइन को हराने के लिए आक्रामक रन बनाने की क्षमता के लिए जाना जाता है। इसके अलावा, वह एक सटीक फ्री किक और पेनल्टी किक लेने वाला खिलाड़ी है।

लियोनेल मेसी पेशेवर फुटबॉल के इतिहास में सबसे सजाए गए खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 45 टीम ट्रॉफियां जीती हैं। मेसी के रिकॉर्ड में, एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक गोल (91), एक क्लब के लिए सबसे अधिक गोल (बार्सिलोना के लिए 672), ला लीगा में सबसे अधिक गोल (474), फीफा विश्व कप में सबसे अधिक गोल योगदान (26, 18 गोल + 8 सहायक गोल), और कोपा अमेरिका (32) में सबसे अधिक गोल योगदान शामिल हैं। वर्ष 2022 में अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम को अपना तीसरा फीफा विश्व कप जीतने में मदद की। आठ बार के बैलन डी'ओर (फुटबॉल की दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तिगत पुरस्कार) विजेता, छह यूरोपीय गोल्डन शूज़ और आठ बार फीफा द्वारा दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का नाम कमाने वाले 39 वर्षीय मेसी सर्वोत्तम खिलाड़ियों की सूची में सब से ऊपर हैं।

पांच साल की उम्र में मेसी ने अपने पिता जॉर्ज द्वारा प्रशिक्षित किए जा रहे एक स्थानीय क्लब ग्रैंडोली के लिए फुटबॉल खेलना शुरू कर दिया। 1995 में, मेसी अपने गृह शहर रोसारियो में स्थित न्यूवेल ओल्ड बॉय्स के लिए खेलने लगे। 11 वर्ष की उम्र में, उसके नैदानिक परीक्षण में विकास हार्मोन की कमी पाई गई, जिसने उसके विकास को अवरुद्ध कर दिया था तो मेसी का परिवार स्पेन में एक नया घर बनाने के लिए अटलांटिक के पार चला गया। मेसी का छोटा कद—5 फीट, 7 इंच—उनकी गति और अथक आक्रमण शैली के साथ मिलकर, उनकी तुलना अर्जेंटीना के एक अन्य प्रसिद्ध फुटबॉलर, डिएगो माराडोना से की गई।

अर्जेंटीना-स्पेनिश नागरिक के रूप में, मेसी दोनों देशों की राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने के योग्य थे। उन्होंने 2004 में अर्जेंटीना के लिए पैराग्वे के खिलाफ अंडर 20 टीम के लिए शुरुआत की, बाद में 2005 दक्षिण अमेरिकी अंडर-20 चैम्पियनशिप के लिए टीम में शामिल किया गया, जहां वे तीसरे स्थान पर रहे। उसके बाद मेसी ने 2005 फीफा विश्व युवा चैम्पियनशिप में टीम को जीत दिलाई, जो अर्जेंटीना के साथ उनकी पहली सफलता थी। छह गोल और दो सहायक गोल के साथ टूर्नामेंट समाप्त करते हुए, वह गोल्डन बॉल भी जीते।

विश्व कप 2006 टूर्नामेंट के लिए अर्जेंटीना टीम में मेसी चुने गए। उन्होंने विश्व कप में बेंच से आइवरी कोस्ट के खिलाफ़ अर्जेंटीना के शुरुआती मैच विजय को देखा। सर्बिया के खिलाफ अगले मैच में मेसी, विश्व कप में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने, जब वे 74वें मिनट में मैक्सी रॉड्रिग्वेज़ के स्थानापन्न के रूप में खेलने आए। उन्होंने खेल में प्रवेश करने के चंद मिनटों में ही हरनैन क्रेस्पो को गोल बनाने में असिस्ट किया और 6-0 की जीत में अंतिम गोल भी स्कोर किया, जिससे वे टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र के स्कोरर और विश्व कप के इतिहास में सबसे कम उम्र के छठे गोल स्कोरर बने।

जुआन रोमन रिकेल्मे के अंतरराष्ट्रीय संन्यास के साथ, मेसी को अर्जेंटीना की नंबर 10 शर्ट दी गई। ग्रीस के खिलाफ 2010 फीफा विश्व कप ग्रूप स्टेज मैच के दौरान, मेसी ने पहली बार कप्तान का आर्मबैंड पहना। अर्जेंटीना अंततः जर्मनी के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गया था, लेकिन मेसी को उनकी गति और रचनात्मकता के कारण टूर्नामेंट के 10 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक के रूप में पहचाना गया था, एक भी गोल दर्ज करने में विफल रहने और केवल एक सहायता करने के बावजूद।

अगले कई वर्षों में अर्जेंटीना को अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफी जीतने में असमर्थता के कारण मेसी के लिए कई निराशा देखी गई। वर्ष 2014 फीफा विश्व कप के दौरान, अर्जेंटीना फाइनल में जर्मनी से हार गया हालांकि मेसी को चार गोल और एक सहायता गोल के साथ उनके समग्र प्रदर्शन के कारण टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में गोल्डन बॉल से सम्मानित किया गया था।

वर्ष 2022 फीफा विश्व कप में मेसी ने अर्जेंटीना को 36 वर्षों में अपनी पहली विश्व कप जीत दिलाई। फाइनल में दो बार गोल करके फ्रांस को हराया। टूर्नामेंट के दौरान सात गोल करने और तीन गोल में सहायता देने के बाद, मेसी ने एक बार फिर गोल्डन बॉल पुरस्कार जीता और इसे दो बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। वर्ष 2023 में, टाइम पत्रिका ने मेस्सी को अपना एथलीट ऑफ द ईयर नामित किया।

आधुनिक तकनीक और मजबूत इरादे रोकेंगे घुसपैठ

मधुरेन्द्र सिंहा

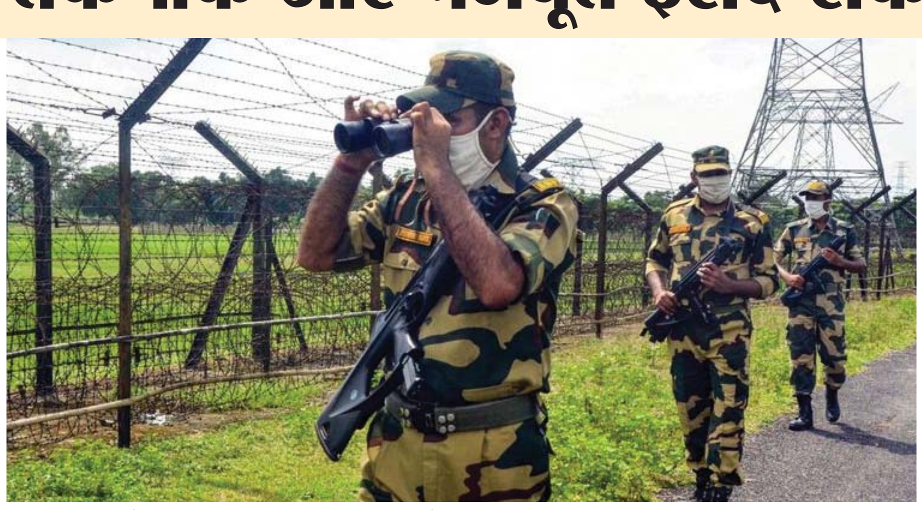

गृह मंत्रालय देश की 6,000 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक शक्तिशाली ग्रिड बनायेगा। इसमें निगरानी रखने वाली आधुनिकतम प्रणालियां जैसे ड्रोन, रडार, उच्च शक्ति वाले कैमरे और मॉनिटरिंग करने वाली अन्य टेक्नोलॉजी होगी ताकि सीमा सुरक्षा बल की क्षमताओं को बेहतर ढंग से बढ़ाया जा सके।

भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं बहुत लंबी हैं और वे छह देशों से लगी हुई हैं। इनमें कई जगहों पर सेना तथा अर्धसैनिक बलों को तैनात करना पड़ा है। जैसे कि पाकिस्तान से लगती सीमा। यह अंतर्राष्ट्रीय सीमा 3,323 किलोमीटर लंबी है और इसकी देखभाल के लिए मुख्य तौर पर सीमा सुरक्षा बल तैनात है और जहां जंग जैसे हालात हैं वहां भारतीय सेना अपनी पूरी क्षमता के साथ तैनात है। लेकिन पिछले कई वर्षों से बांग्लादेश सीमा एक सिरदर्द बन गई है क्योंकि वहां से बड़े पैमाने पर घुसपैठ होने लगी थी। लाखों की तादाद में घुसपैठिये भारत में खासकर बंगाल और असम में आ घुसे। इन्हें रोकना एक चुनौती रही क्योंकि भारत-बांग्लादेश की सीमा बहुत लंबी यानी 4096 किलोमीटर की है जो पांच राज्यों को छूती है। इनमें कई जगहों पर न तो बाड़ है और न ही तार। इसका फायदा उठाकर घुसपैठिये भारत में आसानी से घुसते रहे हैं।

अब जबकि बंगाल में भाजपा आ गई है तो सीमा पर बाड़ लगाने का काम तेज हो गया है। बंगाल की तत्कालीन सरकार ने घुसपैठियों को रोकने तथा देश की रक्षा के इस महती प्रयास में जरा भी साथ नहीं दिया। जिसका नतीजा यह हुआ कि उन इलाकों में स्थानीय लोगों की तुलना में बाहरी लोग खासकर बंगाल में बांग्लादेशी बहुत बड़ी संख्या में बढ़े हैं। जनसंख्या में यह भारी बदलाव देश की सुरक्षा और स्थायित्व के लिए खतरा बनकर उभरा है। घुसपैठियों के आने से कई तरह की समस्याएं पैदा हुई हैं और एक खास समुदाय के लोगों की आबादी अभूतपूर्व तरीके से बढ़ी है।

दरअसल, जनसंख्या में यह बदलाव स्वाभाविक नहीं है बल्कि जानबूझकर और एक रणनीति के तहत अवैध तरीके से हुआ है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। इस मुद्दे को गृह मंत्रालय ने प्रमुखता से न केवल उठाया बल्कि इसके समाधान के लिए भी बड़े कदमों की घोषणा की तथा उन्हें कार्यान्वित करवाना शुरू कर दिया है। इसके लिए पारंपरिक तरीकों की बजाय डिजिटल टेक्नोलॉजी और कुशल मैनेजमेंट प्रणाली का सहारा लिया जायेगा ताकि अवैध तरीके से घुसपैठ करने वालों को निकाल बाहर किया जाये।

इसी कड़ी में देश की सीमाओं को पक्का करने के लिए घोषणा की गई है कि एक देशव्यापी स्मार्ट बोर्डर प्लान परियोजना एक वर्ष में आरंभ की जायेगी। इसके जरिये सीमा सुरक्षा को न केवल मजबूत किया जायेगा बल्कि अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। ताकि सीमा पार से घुसपैठ पर अंकुश लगे। इसके तहत गृह मंत्रालय देश की 6,000 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक शक्तिशाली ग्रिड बनायेगा। इसमें निगरानी रखने वाली आधुनिकतम प्रणालियां जैसे ड्रोन, रडार, उच्च शक्ति वाले कैमरे और मॉनिटरिंग करने वाली अन्य टेक्नोलॉजी होगी ताकि सीमा सुरक्षा बल की क्षमताओं को बेहतर ढंग से बढ़ाया जा सके। इनकी मदद से दूर बैठकर ही जाना जा सकेगा कि कहां की सीमा पर खतरा है या कहां से घुसपैठ हो रही है। इससे हमारे सशस्त्र बलों को बहुत सुविधा होगी। उनके दिन-रात गश्त के बावजूद घुसपैठिये अपना काम कर जाते हैं लेकिन अब यह नहीं हो सकेगा। आधुनिक तकनीक से लैस ड्रोन आकाश से आसानी से निगरानी कर सकेंगे और रडार चेतावनी देंगे।

बंगाल की नई सरकार ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चिकन नेक के पास 120 एकड़ जमीन सीमा सुरक्षा बल को दे दी है। वहां की पिछली सरकार ने अदालत के आदेश के बावजूद उस जगह को देने से इनकार कर दिया था। इस जगह को सिलीगुड़ी कॉरिडर कहा जाता है और शत्रु देश इसमें भारी घुसपैठ करके भारत के पूर्वोत्तर को उससे अलग कर सकता है। बांग्लादेश की भारत से लंबी सीमा में से अभी 600 किलोमीटर बिना बाड़ या किसी तरह के फेंस की थी। इस गैप को बंद करने के पीछे सीमा में अवैध घुसपैठ, तस्करी, पशुओं की चोरी, अवैध धंधे वगैरह पर अंकुश लगाना है। कुछ इलाकों में तो बांग्लादेश के निवासियों ने बाड़ लगाने के काम का पुरजोर विरोध भी किया और वहां के अर्धसैनिक बल ने भी उनका साथ दिया लेकिन सीमा सुरक्षा बल की सख्ती के कारण उनकी एक न चली और कंटीली तारें लगाने का काम जोर-शोर से चल रहा है। सरकार ने इसके लिए पर्याप्त फंड की भी व्यवस्था की है ताकि युद्धस्तर पर हो रहा काम रुकने न पाये।

पिछले महीने के अंत में गृह मंत्री अमित शाह ने देश में अवैध घुसपैठ और अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय बदलाव को रोकने के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी की घोषणा की। ऐसा करके उन्होंने इस मामले को राजनीतिक न रहने देने की बजाय एक संस्थागत रूप में बदल दिया। यह कमेटी भारत में रह रहे हर अवैध घुसपैठिये की पहचान करेगी और उन लोगों पर कार्रवाई करेगी जो भारत में रह रहे हैं। इस कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नाओलेकर करेंगे। इस कदम से अवैध घुसपैठ को रोकने के काम को कानूनी और संस्थागत सहारा मिलेगा। यह कमेटी देश के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर घुसपैठ तथा अप्राकृतिक कारणों से हो रहे जनसांख्यिकी बदलाव का वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन करेगी। कमेटी के सदस्य क्षेत्रीय और जिला स्तर पर इस बात का अध्ययन करेंगे कि अवैध घुसपैठ के कारण वहां की जनसंख्या में कितनी बढ़ोतरी हुई और उसका गवर्नेंस, जन सेवाओं तथा सामाजिक स्थिरता पर क्या असर पड़ा या पड़ रहा है। यह कमेटी समयबद्ध तरीके से अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। इसके तुरंत बाद बाद एक राष्ट्रीय एक्शन योजना बनाई जायेगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

तीव्र भानु का ताप

तीव्र भानु का ताप, तपन से जलती काया।
मिले कहाँ विश्राम, वृक्ष की शीतल छाया।।
काटे तरुवर आप, कष्ट से डरपी झाड़ी।
अब खोजे फिर छाँव, जगत से रूठी बाड़ी।।

शीतल बाटें पेय, सभी की पीड़ा हरना।
सदा सकोरे साथ, नित्य दाने तुम भरना।।
पल-पल बढ़ता ताप, प्रभो जी! कष्ट मिटाओ।
विकल बहुत संसार, तपन नित रोज घटाओ।।

पानी रखिए साथ, यही है एक सहारा।
जीवन हो खुशहाल, हृदय में भर उजियारा।।
कहती सुषमा आज, सुनो मानव हे सारे।
हो सबका कल्याण, जीव सब होते प्यारे।।

कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल (रायपुर छ.ग.)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

भिलाई के 55 मकानहीन परिवारों को मिला आशियाना, लॉटरी से हुआ आवास आबंटन

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा मकानहीन परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए गुरूवार को निगम सभागार में लॉटरी पद्धति के माध्यम से 55 हितग्राहियों को आवास आबंटित किए गए। सभी आवास मोर मकान–मोर आस एवं मोर मकान–मोर चिन्हारी घटक से निर्मित है। आवास आबंटन कार्यक्रम में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा एवं पार्षद हरिओम तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

निगम आयुक्त ने खुर्सीपार का किया निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन–4 खुर्सीपार क्षेत्र का निरीक्षण कर नवीन हाट बाजार, पानी टंकी, अवैध अतिक्रमण एवं अन्य व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, उप अभियंता बसंत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, राजस्व निरीक्षक विजेंद्र परिहार, स्वस्छता निरीक्षक अतुल यादव सहित निगम के अन्य उपस्थित रहे।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना, 3 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों हेतु अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना प्रारंभ किया गया है। योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीयन निर्माण श्रमिकों के बच्चों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में पूर्णत: नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। आवेदन की अंतिम तिथि 3 जुलाई निर्धारित की गई है।

दावा आपत्ति 03 जुलाई तक आमंत्रित

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 02 के अंतर्गत दो नवीन स्वीकृत आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यकर्ता एवं सहायिका पद के संबंध में इच्छुक आवेदिकाओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया था। मूल्यांकन समिति द्वारा परीक्षण उपरांत अनंतिम मूल्यांकन पत्रक नगर पालिक निगम भिलाई–चरोदा में चस्पा कर दिया गया है। इस संबंध में दावा आपत्ति हो तो पर्याप्त साक्ष्य/प्रमाणित दस्तावेज के सहित 03 जुलाई 2026 तक नगर पालिक निगम भिलाई–चरोदा में दावा आपत्ति स्वीकार किए जाएंगे।

आईसीएआई भिलाई ब्रांच द्वारा आरबीआई नागपुर का शैक्षणिक भ्रमण सफलतापूर्वक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आईसीएआई भिलाई द्वारा 23 जून 2026 को 42 चार्टर्ड अकाउंटेंसी विद्यार्थियों के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का एक सफल और ज्ञानवर्धक शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को RBI की कार्यप्रणाली, मौद्रिक नीति, मुद्रा प्रबंधन तथा देश की अर्थव्यवस्था में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। यह अनुभव विद्यार्थियों के लिए कक्षा में पढ़े गए विषयों को वास्तविक रूप में समझने का एक उत्कृष्ट अवसर रहा। विद्यार्थियों ने RBI भवन की भव्य वास्तुकला और दीवारों पर की गई सुंदर कलाकृतियों की भी सराहना की, जिसने सभी को विशेष रूप से आकर्षित किया।

इस अवसर पर Reserve Bank of India द्वारा सभी प्रतिभागियों के लिए दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई, जिसकी विद्यार्थियों ने हृदय से प्रशंसा की। ब्रांच ने इस सफल आयोजन में सहयोग, समन्वय एवं आतिथ्य के लिए आरबीआई के डायरेक्टर व असिस्टेंट डायरेक्टर तथा अन्य अधिकारियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। सीए विद्यार्थियों ने चैयरमैन सी ए सुखदेव राठी ,सचिव सी ए प्रतीक अग्रवाल, तलविंदर सिंह, CICASA Chairman तथा CICASA Managing Committeeके विशेष योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इन्हीं सभी के संयुक्त प्रयासों से यह भ्रमण अत्यंत सफल और यादगार बन सका। इसके अतिरिक्त, यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए दादा ब्रदर्स का विशेष धन्यवाद व्यक्त किया गया।

आपातकाल विषय पर हुई निबंध प्रतियोगिता विजेता होंगे मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित

28 जून को मुख्यमंत्री करेंगे लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। देश के लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिवस माने जाने वाले 25 जून 1975 को लगाये गये आपातकाल की स्मृति को जीवित रखने तथा नई पीढी को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस तथा 26 जून को आपातकाल स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर लोकतंत्र प्रहरी द्वारा निबंद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और इसके विजेताओं को आगामी 28 जून को सीएम विष्णुदेव साय सम्मानित करेंगे।

लोकतंत्र प्रहरी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने प्रेसवार्ता में इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 26 जून 1975 से मार्च 1977 तक चल 21 माह के आपातकाल को देश कभी भूल नहीं कर सकता. उस कालखड में नागरिक स्वतंत्रताओं का हनन किया गया एवं हजारों लोकतंत्र समर्थकों को मीसा अन्य कठोर कानूनों के अंतर्गत जेलों में बंद किया गया तथा प्रेस की स्वतंत्रता पर अभूतपूर्व प्रतिबंध लगाए गए। समाचार पत्रों पर सेंसरशिप लागू कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचल दिया गया।

उपासने ने बताया कि लोकतंत्र सेनानियों को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा 28 जून को प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी आयोजित भव्य सम्मेलन में सम्मानित किया जाएगा साथ ही इस अवसर पर आपातकाल योद्धा संदर्भ ग्रंथ स्मारिका का विमोचन भी किया जाएगा। विशेष आकर्षण यह होगा की लोकतंत्र सेनानी संघ व प्रहरी के संयुक्त तत्वाधान में विद्यालय व महाविद्यालय स्तर पर प्रदेश स्तर की आपातकाल कभी विस्मृत न हो एवं 25 जून संविधान हत्या दिवस की प्रासनिकता इन विषयों पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई थी मुख्यमंत्री द्वारा विजयी प्रथम द्वितीय तृतीय चयनित छात्रों को विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर 31000, 21000 व 11000 रुपए नगद पुरस्कार दोनों स्तरों पर मय स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा।

उसी प्रकार सभी 520 शामिल विद्यार्थियों सहित विद्यालय व महाविद्यालय के प्राचार्य को भी मुख्यमंत्री द्वारा 28 जून को सम्मानित किया जाएगा इस वर्ष भी इस भव्य आयोजन में प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा लोकतंत्र सेनानियों को निमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित किया जा रहा है, यह भव्य आयोजन रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में 28 जून रविवार को 11:00 बजे से आयोजित है। सम्मेलन में संगठन के समस्त पदाधिकारी व प्रबुद्ध वैचारिक संस्थाओं, मंत्रियों विधायकों, निगम आयोग अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में शुभ चिंतकों को भी आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में आपातकाल का काला इतिहास एवं संविधान हत्या दिवस विषय पर प्रबुद्ध वक्ताओं के व्याख्यान भी होंगे तथा इस विषय पर प्रकाशित विशेष स्मारिका आपातकाल योद्धा का विमोचन किया जाएगा।

लोकतंत्र प्रहरी के प्रदेश अध्यक्ष विशाल राजहंस ने बताया कि प्रदेश के लोकतंत्र सेनानी परिवारों को मुख्यमंत्री की ओर से ससम्मान निमंत्रण पत्र प्रेषित किए जा रहे हैं। निबंध प्रतियोगिता व कार्यक्रम संबंधी जानकारी के लिए विद्यार्थी, शिक्षक एवं शिक्षण संस्थान मोबाइल नंबर 9425202652 एवं 9425552092 पर संपर्क कर सकते हैं। पत्रकार वार्ता में सच्चिदानंद उपासने के साथ प्रदेश अध्यक्ष विशाल राजहंस, दुर्ग संभाग प्रभारी शरद श्रीवास्तव संभागीय संयोजक योगेन्द्र सिंह व जिला अध्यक्ष रायपुर सुहास देशपांडे उपस्थित थे।

लखनऊ अग्निकांड के बाद सिविक सेंटर के कोचिंग सेंटरों की जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हाल ही में लखनऊ के अलीगंज स्थित एक एनीमेशन एवं कोचिंग सेंटर में भीषण आग लगने से 15 विद्यार्थियों की मृत्यु की घटना के बाद नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर के कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच शुरू कर दी है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर निगम की टीम ने भिलाई के एजुकेशन हब कहे जाने वाले सिविक सेंटर स्थित विभिन्न कोचिंग सेंटरों में दबिश देकर सुरक्षा मानकों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान निगम अधिकारियों ने कोचिंग संस्थानों में अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकास द्वार, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य सुरक्षा सुविधाओं सहित मापदण्ड का जायजा लिया। टीम द्वारा संचालकों को निर्धारित प्रपत्र (फार्म) वितरित किए गए हैं, जिसमें संस्थानों की सुरक्षा संबंधी पूरी जानकारी भरकर 20 दिनों के भीतर निगम को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच के दौरान कुछ कोचिंग संस्थानों में आवश्यक सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध नहीं पाई गईं। सुरक्षा मानकों की अनदेखी को गंभीरता से लेते हुए निगम ने ऐसे संस्थानों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उन्हें सीलबंद कर दिया। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करने वाले संस्थानों के खिलाफआगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

आयुक्त ने कहा कि शहर में संचालित सभी कोचिंग एवं शिक्षण संस्थानों को निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है। किसी भी प्रकार की लापरवाही विद्यार्थियों के जीवन को खतरे में डाल सकती है, इसलिए सभी संस्थान समय सीमा के भीतर सुरक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध कराएं तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर संकल्प सांस्कृतिक समिति नशे का दुष्परिणाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। संकल्प सांस्कृतिक समिति की डायरेक्टर मनीषा शर्मा के निर्देशन में संकल्प नशा मुक्ति केंद्र शंकर नगर रायपुर,स्टेट लेबल कॉर्डिनेटिंग एजेंसी, आउटरीच ड्रॉप इन सेंटर,कम्युनिटी बेस्ट पीएरलेड इंटरवेंशन के संयुक्त प्रयास से नया रायपुर में संचालित क्रिस्टल इंडिया लर्निंग स्कूल में अध्ययनरत बच्चों के पालकों के बीच 26 जून अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर नशा से होने वाले दुष्परिणाम और उनके बचाव, उपचार के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित पालकों बताया गया कि ज्यादातर बच्चे अपने पिता और घर में बड़े लोगों को बचपन से नशा करते देखते है,इस वजह से वे नशा करना शुरू करते है। बच्चे आजकल घर पर उपलब्ध, दैनिक उपयोग में आने वाले सामान को भी नशे के रूप में दुरूपयोग करने लगे है, जो सेहत के लिए बहुत खतरनाक है। वर्तमान में

नशे के कारण बच्चे अपराध की दुनिया में तेजी से प्रवेश कर रहे हैं। वे नशे पदार्थ खरीदने के लिए चोरी भी करने लगे हैं। पालकों को समझाया गया कि घर पर बच्चों को समय दीजिए। बच्चे नशा तो नहीं कर रहे है उसका ध्यान रखे, किसी भी प्रकार का शक होने पर किसी नशा मुक्ति सेंटर की मदद लेनी चाहिए। पालकों को यह भी याद दिलाया गया कि आपको भी नशे से दूर रहना चाहिए नशा करने से हो सकता है कि अभी आपको कोई परेशानी नहीं दिख रही होगी पर वृद्धावस्था पर नशे के कारण आपको बहुत सी बीमारियों का सामना करना पड़ेगा।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग व तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का जागरूकता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के खिलाफमें आज अंतर्राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में 25 जून को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा श्री महावीर जैन पब्लिक स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के पांच न्यायाधीश श्वेता पटेल, कुमार कश्यप, अंजली सिंह, महिमा शर्मा एवं सुश्री आरती ध्रुव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य सुनाली पातरा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

कार्यक्रम के प्रारंभ में न्यायाधीशों का विद्यालय परिवार द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात न्यायाधीशों ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें कानून, न्याय व्यवस्था एवं नागरिक कर्तव्यों के संबंध में सरल एवं सहज भाषा में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

शिविर के दौरान विद्यार्थियों को NDPS अधिनियम के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। न्यायाधीशों ने नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा एवं भविष्य को भी गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए बिना हेलमेट एवं बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलाने की समझाइश दी गई। साथ ही मोबाइल एवं इंटरनेट के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक एवं ओटीपी साझा करने के खतरों के बारे में भी जागरूक किया गया तथा साइबर फ्रॉड से बचाव के उपाय बताए गए।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका न्यायाधीशों ने अत्यंत सरल, स्पष्ट एवं प्रेरणादायक ढंग से उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। अंत में विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार तथा कानून के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया। यह विधिक जागरूकता शिविर विद्यार्थियों में कानूनी समझ, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं अनुशासन की भावना विकसित करने की दिशा में अत्यंत उपयोगी एवं सफल सिद्ध हुआ।

भिलाई इस्पात संयंत्र में वर्षों से जारी संगठित लोहा चोरी का मामला

विधायक रिकेश ने सीएम को सौंपे दस्तावेज, केन्द्रीय एजेंसियों से जांच कराने सहमति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। देश के सबसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक उपक्रमों में शामिल भिलाई इस्पात संयंत्र में वर्षों से जारी संगठित लोहा चोरी के काले कारोबार के खिलाफ वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने व्यापक और निर्णायक अभियान शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि यह केवल चोरी का मामला नहीं, बल्कि राष्ट्र की बहुमूल्य संपत्ति को लगातार नुकसान पहुंचाने वाला एक संगठित आर्थिक अपराध है, जिसकी निष्पक्ष और व्यापक जांच समय की आवश्यकता है।

इसी क्रम में विधायक सेन ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य भेंट कर इस पूरे प्रकरण से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज और तथ्य प्रस्तुत किए। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि किस प्रकार कुछ अधिकारियों की कथित मिलीभगत से संगठित गिरोह लंबे समय से बीएसपी के

लोहे की चोरी को अंजाम देता रहा है, जिससे देश की संपत्ति को भारी आर्थिक क्षति हुई है।

विधायक सेन ने मुख्यमंत्री को यह भी अवगत कराया कि इस अवैध कारोबार से अर्जित धन का उपयोग कथित रूप से विभिन्न चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के विरुद्ध भी किया जाता रहा है। उन्होंने इस पूरे नेटवर्क की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस गंभीर विषय पर विधायक रिकेश सेन की पहल की सराहना करते हुए केंद्रीय एजेंसियों से जांच कराने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र जैसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान की संपत्ति की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा लोहा चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आवश्यक और कड़े कदम उठाए जाएंगे।

विधायक सेन ने बताया कि इस विषय पर वे बीएसपी की विभिन्न श्रमिक एवं कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों से भी विस्तृत चर्चा कर चुके हैं। इस्पात कर्मियों और श्रमिक संगठनों ने भी इस अभियान का समर्थन करते हुए संयंत्र की संपत्ति की सुरक्षा और भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ कठोर कार्रवाई की आवश्यकता जताई है।

विधायक सेन ने स्पष्ट किया कि उनकी यह मुहिम किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि वर्षों से सक्रिय उस संगठित तंत्र के खिलाफहै जिसने देश की अमूल्य संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण की शिकायत वे केंद्रीय इस्पात मंत्री, आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो, एंटी करप्शन ब्यूरो तथा अन्य सक्षम केंद्रीय जांच एजेंसियों को भी सौंप रहे हैं, ताकि पूरे नेटवर्क की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि यदि इस संगठित गिरोह पर समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो राष्ट्रीय संपत्ति की क्षति का सिलसिला जारी रहेगा।

उनका उद्देश्य केवल दोषियों को बेनकाब करना ही नहीं, बल्कि भिलाई इस्पात संयंत्र की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित कर भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर स्थायी रोक लगाना है। विधायक रिकेश ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र केवल एक औद्योगिक इकाई नहीं, बल्कि देश की आर्थिक शक्ति और करोड़ों नागरिकों की राष्ट्रीय धरोहर है। राष्ट्रीय संपत्ति की रक्षा करना हम सभी का दायित्व है। वर्षों से सक्रिय संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश कर दोषियों को कानून के दायरे में लाना हमारी प्राथमिकता है। इस अभियान को उसके तार्किक और कानूनी निष्कर्ष तक पहुंचाया जाएगा।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

मुख्यमंत्री साय के सुशासन में साकार हो रहा पक्के आवास का सपना

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में प्रदेश के लाखों जरूरतमंद परिवारों का पक्के आवास का सपना साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना केवल एक आवासीय योजना नहीं, बल्कि गरीब परिवारों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास का नया अध्याय लिखने का माध्यम बन रही है। इस योजना के जरिए ऐसे परिवारों को स्थायी आवास उपलब्ध कराया जा रहा है, जो वर्षों से कच्चे और जर्जर मकानों में रहने को मजबूर थे। रायगढ़ जिले के तमनार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत आमगांव निवासी ललित कुमार राठिया भी उन हितग्राहियों में शामिल हैं, जिनके जीवन में प्रधानमंत्री आवास योजना ने सकारात्मक बदलाव लाया है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाले ललित कुमार राठिया मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सीमित आय के कारण परिवार की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति ही बड़ी चुनौती थी।

सेवा सेतु से आसान हुई नागरिक सेवाएं, एक सप्ताह में मिला आय प्रमाण पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की सेवा सेतु पहल ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों तक शासकीय सेवाओं की सहज, त्वरित एवं पारदर्शी पहुंच सुनिश्चित कर रही है। इस व्यवस्था के माध्यम से विभिन्न प्रमाण पत्रों एवं आवश्यक सेवाओं के लिए लोगों को अब बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। समय और धन की बचत के साथ नागरिकों को निर्धारित समयावधि में सेवाओं का लाभ मिल रहा है, जिससे शासन की जनहितकारी पहल के प्रति लोगों का विश्वास भी मजबूत हो रहा है। इसी क्रम में कोरबा जिले की पाली तहसील अंतर्गत नानबांका निवासी रनसिंह नेटी ने अपने पुत्र सुनील कुमार के लिए आय प्रमाण पत्र बनवाने हेतु लोक सेवा केंद्र सुतर्रा में आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन के लगभग एक सप्ताह के भीतर ही आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया, जिससे परिवार को आवश्यक दस्तावेज समय पर प्राप्त हो सका।

प्रधानमंत्री आवास योजनाः रामकुमारी कश्यप के पक्के आवास का सपना हुआ पूरा

रायपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना ने हजारों जरूरतमंद परिवारों के पक्के आवास के सपनों को साकार किया है। अपने घर का सपना हर परिवार की सबसे बड़ी आकांक्षा होती है। एक सुरक्षित और पक्का आवास न केवल जीवन में स्थिरता लाता है, बल्कि आत्मसम्मान और सुरक्षा की भावना भी प्रदान करता है। मुंगेली जिले के नगर पंचायत जरहागांव की निवासी रामकुमारी कश्यप का वर्षों पुराना पक्के मकान का सपना अब हकीकत बन चुका है। रामकुमारी कश्यप का परिवार लंबे समय तक कच्चे मकान में रहने को मजबूर था। बारिश के मौसम में छत से पानी टपकना, दीवारों में सीलन और मौसम की मार झेलना उनकी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया था। परिवार के लिए सुरक्षित आवास की चिंता हमेशा बनी रहती थी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्रता के आधार पर उन्हें आवास स्वीकृत हुआ। शासन से प्राप्त आर्थिक सहायता के माध्यम से उन्होंने अपना पक्का और सुरक्षित घर बनवाया। आज उनका परिवार सभी मूलभूत सुविधाओं से युक्त अपने नए आवास में सुखद और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहा है।

शिक्षा से ही संवरता है भविष्य, संस्कारों से बनता है सशक्त समाजः मंत्री राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल आज लखनपुर में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का पुष्प एवं तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें अध्ययन सामग्री प्रदान कर नए शैक्षणिक जीवन की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी अतिथियों का स्वागत किया, जिससे पूरा वातावरण उत्साह और उल्लास से भर गया।

अपने संबोधन में मंत्री राजेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों के साथ अपने विद्यार्थी जीवन की स्मृतियां साझा करते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नियमित अध्ययन, अनुशासन, शिक्षकों का सम्मान और माता-पिता का आशीर्वाद ही जीवन में आगे बढ़ने का सबसे मजबूत मार्ग है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को बड़े सपने देखने चाहिए और उन्हें साकार करने के लिए पूरी निष्ठा एवं लगन से प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के वैज्ञानिक, चिकित्सक, शिक्षक, प्रशासक और जनप्रतिनिधि बनकर देश एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा, ज्ञान और संस्कार ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। यही तीनों किसी भी विद्यार्थी की सफलता का मजबूत आधार बनते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने, अनुशासन का पालन करने, अपने लक्ष्य स्पष्ट रखने तथा निरंतर मेहनत के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों का भी विकास करें, जबकि अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई में निरंतर सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण पाठशाला है।

मंत्री अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को नवीन शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सभी विद्यार्थी पूरे मनोयोग से अध्ययन कर अपने विद्यालय, परिवार, क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम में लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, शिक्षकगण, अभिभावक, बड़ी संख्या में विद्यार्थी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, नवप्रवेशी विद्यार्थियों के सम्मान और सामूहिक सहभागिता ने शाला प्रवेश उत्सव को उत्साहपूर्ण बना दिया।

छत्तीसगढ़ में अब बिना लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम वाली यात्री बसों पर होगी कार्रवाई

परिवहन सचिव ने ली बस संचालको एवं अधिकृत वेंडरों की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में यात्री सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए परिवहन विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। अब सभी यात्री बसों में वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) लगाना और उसे सक्रिय रखना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय सीमा के भीतर नियम का पालन नहीं करने वाले बस संचालकों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम, 1988 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

परिवहन सचिव एवं परिवहन आयुक्त एस. प्रकाश ने इंद्रावती भवन नवा रायपुर स्थित परिवहन कार्यालय में सभी बस संचालकों एवं विभाग द्वारा वीएलटीडी लगाने हेतु अधिकृत वेंडरों की संयुक्त बैठक लेकर यात्री बसों में स्थापित वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा है कि जिन बसों में अभी तक वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) नहीं लगी है, उनमें 15 दिनों के भीतर इसे अनिवार्य रूप से स्थापित किया जाए। वहीं जिन बसों में यह उपकरण लगा हुआ है लेकिन संचालित नहीं है, उन्हें तत्काल चालू किया जाए। परिवहन विभाग के अनुसार वर्ष 2025 में राजस्थान के फलोदी और तेलंगाना के रंगारेड्डी में हुए भीषण सड़क हादसों के बाद सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों और भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप यह निर्णय लिया गया है। सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करने वाली महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की जा रही है।

विभाग ने बताया कि राज्य मुख्यालय के कमांड एवं नियंत्रण केंद्र से सभी बसों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। उपग्रह आधारित ट्रैकिंग प्रणाली के माध्यम से यह पता लगाया जा सकेगा कि बस निर्धारित मार्ग पर चल रही है या नहीं तथा समय पर संचालन हो रहा है या नहीं। यात्रियों को भी संगवारी ऐप के जरिए बसों की वास्तविक समय की लोकेशन की जानकारी मिल सकेगी।

अतिरिक्त परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर ने बताया कि राज्य के सभी जिलों में स्वचालित नंबर प्लेट पहचान कैमरे और बुद्धिमान यातायात प्रबंधन प्रणाली स्थापित की जा रही है। इससे नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की तत्काल पहचान कर कार्रवाई की जा सकेगी।

उल्लेखनीय है कि वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस एक ऐसी उपग्रह आधारित प्रणाली है, जो वाहन की हर पल की स्थिति और लोकेशन की जानकारी नियंत्रण केंद्र तक पहुंचाती है। किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने में यह तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि 15 दिन की मोहलत समाप्त होने के बाद नियमों की अनदेखी करने वाले बस संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जोखिमों से होने वाली क्षति की भरपाई के लिए जलीय कृषि बीमा योजना मत्स्य पालकों के लिए अत्यंत उपयोगीः लखनलाल धीवर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय मात्स्यिकी कृषि विकास बोर्ड (एनएफडीबी) एवं मत्स्य पालन विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना अंतर्गत जलीय कृषि बीमा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित न्यू सर्किट हाउस में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य के मत्स्य पालकों को जलीय कृषि बीमा योजना की जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना के विभिन्न लाभों से अवगत कराना था। कार्यक्रम में रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से 200 से अधिक मत्स्य पालकों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला का शुभारंभ छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. लखन लाल धीवर द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मत्स्य पालन क्षेत्र के सतत् विकास में बीमा सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदाओं एवं अन्य जोखिमों से होने वाली क्षति की भरपाई के लिए जलीय कृषि बीमा योजना मत्स्य पालकों के लिए अत्यंत उपयोगी है। कार्यक्रम में मत्स्य पालन विभाग के संचालक श्री एन.एस. नाग ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना के माध्यम से मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि, आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा तथा जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित मत्स्य पालकों को जलीय कृषि बीमा योजना का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया।

राष्ट्रीय मात्स्यिकी कृषि विकास बोर्ड के बीमा विशेषज्ञ मो. इफ्तिखार हुसैन ने जलीय कृषि बीमा योजना के प्रावधानों, पात्रता एवं लाभों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत प्रत्येक मत्स्य पालक को 1.00 हेक्टेयर जलक्षेत्र तक बीमा कराने पर एक बार प्रीमियम राशि का 40 प्रतिशत प्रोत्साहन अनुदान प्रदान किया जाता है।

पीएम-जनमन से बदली केशोडार की तस्वीर, वन धन विकास केंद्र बना आत्मनिर्भरता की पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम- जनमन) जनजातीय समुदायों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण जिला गरियाबंद का केशोडार वन धन विकास केंद्र है, जो आज जनजातीय आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का सफल मॉडल बनकर उभरा है।

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार केशोडार स्थित वन-धन विकास केंद्र का संचालन भूतेश्वर नाथ हर्बल स्व-सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है। इस केंद्र से 8 स्व-सहायता समूहों के 87 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) परिवार जुड़े हुए हैं। इनमें अधिकांश महिलाएं हैं, जो हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। ट्राइफेड तथा छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के सहयोग से केंद्र को प्रशिक्षण, आधुनिक मशीनरी और आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इससे हितग्राहियों को अपने पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक तकनीक से जोड़कर बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करने का अवसर मिला।

वन-धन विकास केंद्र में तैयार किए जा रहे आयुर्वेदिक उत्पादों को छत्तीसगढ़ हर्बल्स ब्रांड के नाम से बाजार में उतारा जा रहा है। महाविषगर्भ तेल और भृंगराज तेल जैसे उत्पादों की बढ़ती मांग ने न केवल इन उत्पादों को पहचान दिलाई है, बल्कि जनजातीय समुदाय की मेहनत को भी नया बाजार उपलब्ध कराया है। इस पहल से स्थानीय स्तर पर वर्षभर रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। विशेष रूप से महिलाओं की आय, कौशल और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अब वे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ-साथ समाज में अपनी नई पहचान भी बना रही हैं। वन-धन विकास केंद्र, केशोडार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में लगभग 1.84 करोड़ रुपये का कारोबार किया तथा करीब 15 लाख रुपये का लाभ अर्जित किया। यह उपलब्धि दर्शाती है कि योजनाबद्ध प्रशिक्षण, संसाधनों की उपलब्धता और संस्थागत सहयोग से जनजातीय समुदाय आर्थिक रूप से सशक्त बन सकते हैं।

नाबार्ड का जिला विकास प्रबंधक कार्यालय जशपुर में प्रारंभ, किसानों को मिलेगी स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के जिला विकास प्रबंधक के स्वतंत्र कार्यालय का शुभारंभ बुधवार को जशपुर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार ने किया। स्वतंत्र कार्यालय की स्थापना से अब जशपुर जिले के किसानों एवं ग्रामीण हितग्राहियों को नाबार्ड से संबंधित सेवाएं और मार्गदर्शन स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगा।

अब तक जशपुर जिले में नाबार्ड के सभी कार्य रायगढ़ स्थित जिला विकास प्रबंधक कार्यालय के माध्यम से संचालित किए जाते थे। स्वतंत्र कार्यालय शुरू होने से योजनाओं के क्रियान्वयन, समन्वय और हितग्राहियों तक पहुंच में और अधिक प्रभावशीलता आएगी कार्यक्रम में अग्रणी जिला प्रबंधक, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, किसान हितग्राही तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। नाबार्ड के छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर के वरिष्ठ अधिकारी बृजेन्द्र समांतराय ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और लाभार्थी किसानों से संवाद कर योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली।

नवनियुक्त जिला विकास प्रबंधक प्रेम प्रकाश सिंह ने जिले की कृषि एवं ग्रामीण विकास संबंधी संभावनाओं पर प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि नाबार्ड द्वारा अब तक 12 हजार 100 एकड़ क्षेत्र में वाड़ी प्लोद्यान एवं अन्य कृषि आधारित गतिविधियों के माध्यम से 13 हजार से अधिक आदिवासी परिवारों को लाभान्वित किया गया है, जिनकी कुल आबादी लगभग एक लाख है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में इन परियोजनाओं से जुड़े किसानों ने 100 करोड़ रुपये से अधिक का संचयी लाभ अर्जित किया है। वर्तमान में इन गतिविधियों से प्रतिवर्ष लगभग 25 करोड़ रुपये का लाभ तथा 9 हजार मीट्रिक टन उत्पादन प्राप्त हो रहा है।

उन्होंने बताया कि जीवा परियोजना के अंतर्गत प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसान प्राकृतिक आदानों के नए-नए प्रयोग और सूत्र विकसित कर रहे हैं, जिससे प्राकृतिक खेती के पुनरुत्थान को बल मिल रहा है।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार ने अग्रणी जिला प्रबंधक, नाबार्ड, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी बैंक, कृषि विज्ञान केंद्र तथा विभिन्न विभागों की उपस्थिति में नाबार्ड की संभाव्यता आधारित ऋण योजना (पीएलपी) का विमोचन किया। योजना के अनुसार जिले के कृषि क्षेत्र में 865 करोड़ रुपये के ऋण की संभावना आंकी गई है, जबकि प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों में कुल ऋण संभाव्यता 1,428 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जिले में बागवानी विकास के लिए नाबार्ड द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अब प्रसंस्करण क्षमता के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने इस दिशा में जिला प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

यूनेस्को विश्व विरासत सूची, लाइट एंड साउंड शो, बांस राफ्टिंग, आधुनिक पर्यटक सुविधाओं और सिरपुर महोत्सव को लेकर लिए गए कई अहम निर्णय

विश्व पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान की ओर बढ़ेगा सिरपुर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर सिरपुर को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिलाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. एस. भारती दासन की अध्यक्षता में मंत्रालय में आयोजित सिरपुर एकीकृत विकास परियोजना संबंधी अंतर्विभागीय समिति की द्वितीय बैठक में सिरपुर के समग्र विकास, पर्यटन अधोसंरचना के विस्तार और विश्वस्तरीय विरासत गंतव्य के रूप में विकसित करने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, जिला प्रशासन महासमुंद, सिरपुर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, वन विभाग सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में प्रथम बैठक के निर्णयों पर हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए पर्यटन सचिव ने सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सिरपुर को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में मिश्रित श्रेणी में शामिल कराने के लिए तैयार प्रस्ताव को शीघ्र अंतिम रूप दिया जाए तथा एकीकृत विकास की कार्ययोजना को निर्धारित समय-सीमा में आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिरपुर की समृद्ध बौद्ध, जैन और हिंदू विरासत को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के लिए सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

पर्यटकों को बेहतर अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रशिक्षित स्थानीय गाइडों की सूची तैयार कर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड को उपलब्ध कराने, गाइडों के न्यूनतम शुल्क निर्धारित करने तथा लक्ष्मण मंदिर, पर्यटन सूचना केंद्र और अन्य प्रमुख स्थलों पर उनकी सूची एवं संपर्क विवरण प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही स्थानीय गाइडों को विभिन्न विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण देने तथा प्रशिक्षित गाइडों को पर्यटन सूचना केंद्रों एवं पुरातत्व संस्थानों में अवसर उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया गया।

बैठक में सिरपुर आने वाले पर्यटकों के लिए नए आकर्षण विकसित करने का भी निर्णय लिया गया। इसके तहत कोडार डैम और रायकेरा तालाब में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से बांस राफ्टिंग, नौकायन तथा कैंटीन संचालन जैसी गतिविधियां प्रारंभ की जाएंगी, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे और पर्यटकों को नए अनुभव प्राप्त होंगे। पर्यटन अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए, लक्ष्मण मंदिर परिसर के आसपास सुव्यवस्थित पार्किंग, स्मृति चिन्ह विक्री केंद्र, पेयजल, शौचालय, कैफेटेरिया और अन्य आवश्यक सुविधाओं का शीघ्र विकास करने का निर्णय लिया गया। साथ ही भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड, सिरपुर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण और जिला प्रशासन को विकास कार्यों की प्रगति नियमित रूप से साझा करने के निर्देश भी दिए गए। सिरपुर की ऐतिहासिक विरासत को आधुनिक तकनीक के माध्यम से पर्यटकों तक पहुंचाने के लिए सुरंग टीला में अत्याधुनिक लाइट एंड साउंड शो विकसित किया जाएगा।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
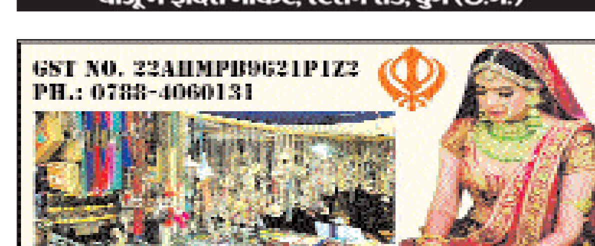
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

तमन्ना भाटिया सिनेमा में महिलाओं की स्थिति पर बोलीं- बॉलीवुड में आजादी और साउथ में पितृसत्ता

मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बीच के बड़े अंतर को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने साउथ सिनेमा में महिलाओं की स्थिति और वहां हावी पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाते हुए कहा कि हिंदी सिनेमा अभिनेत्रियों को किरदारों के चुनाव में कहीं ज्यादा आजादी और विविधता देता है। तमन्ना का मानना है कि कमर्शियल स्तर पर साउथ सिनेमा महिलाओं के लिए ज्यादा सीमित है।

तमन्ना ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री और दक्षिण भारतीय सिनेमा के बीच के अंतरों पर बेहद बेबाक तरीके से बात की। तमन्ना ने इस बात पर जोर दिया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री कलाकारों को अपने किरदारों के चयन में अधिक लचीलापन और स्वतंत्रता देती है। उनके मुताबिक, बॉलीवुड में कलाकारों के सामने ये सख्त शर्त नहीं होती कि उन्हें हर व्यावसायिक मापदंड पर खरा उतरना ही है।

तमन्ना के अनुसार, बॉलीवुड में 2 तरह के कलाकार होते हैं। कलात्मक नजरिए वाले अभिनेता कुछ खास किरदारों तक सीमित रहते हैं और उनके लिए ग्लैमरस डांस जरूरी नहीं होता। बॉलीवुड कलाकारों को कलात्मक या व्यावसायिक में से कोई एक रास्ता चुनने का विकल्प देता है, वहीं, साउथ सिनेमा पर उन्होंने कहा कि वहां व्यावसायिक फिल्मों में महिलाओं को अक्सर एक खास नजरिए से दिखाया जाता है, जो कभी-कभार पितृसत्तात्मक लग सकता है। तमन्ना के मुताबिक, बॉलीवुड के उलट साउथ में अभिनेत्रियों से ये उम्मीद की जाती है कि वे अभिनय और व्यावसायिकता दोनों में एक साथ महारत हासिल करें। अगर किसी अभिनेत्री को वहां लंबे समय तक टिके रहना है तो वो केवल किसी एक रास्ते को नहीं चुन सकती। उसे गंभीर अभिनय के साथ-साथ फिल्मों के कमर्शियल पहलुओं जैसे ग्लैमर और डांस को भी बखूबी संभालना होता है। इस वजह से ये इंडस्ट्री कुछ मायनों में अधिक प्रतिबंधात्मक हो जाती है।

तमन्ना ने डांस नंबर्स पर भी बात की और आइटम सॉन्ग्स के साथ अक्सर जुड़े रहने वाले कलंक का बचाव किया। वो उनके मनोरंजन मूल्य को रेखांकित करते हुए उन्हें पार्टी गाने कहना पसंद करती हैं। करीना कपूर और कैटरीना कैफ जैसी अभिनेत्रियों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे गाने अक्सर फिल्मों से भी ज्यादा लंबे समय तक टिके रहते हैं और अपने आप में सांस्कृतिक पल बन जाते हैं।

बेहद हसीन दिखती हैं ईठा एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर, इंडियन हो या वेस्टर्न हर लुक में लगती हैं कमाल

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ईठा को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म में श्रद्धा तमाशा कलाकार, लावणी डांसर और लोक गायिका विठाबाई नारायणगांवकर की भूमिका निभा रही हैं। श्रद्धा अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपनी खूबसूरती और स्टाइलिश अंदाज को लेकर भी लगातार चर्चा में रहती हैं।

फिल्म ईठा का धमाकेदार टीजर रिलीज हो गया है, जिसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। श्रद्धा कपूर ने एक बार फिर अपनी शानदार एक्टिंग से सबको हैरान कर दिया है। फिल्मों में शानदार एक्टिंग के साथ-साथ श्रद्धा कपूर अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश अंदाज से भी फैंस का दिल जीतती रहती हैं। उनका हर लुक सोशल मीडिया पर छा जाता है। फैंस उनकी खूबसूरती पर दिल हार बैठते हैं। श्रद्धा कपूर बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं। वेस्टर्न आउटफिट हो या ट्रेडिशनल, श्रद्धा हर स्टाइल को बेहद ग्रेस और कॉन्फिडेंस के साथ कैरी करती हैं। श्रद्धा की सादगी और चार्म ही उन्हें बॉलीवुड की बाकी एक्ट्रेसेस से अलग बनाता है।

उनका फैशन सेंस भी काफी यूनिक है। वो ट्रेंड्स को फॉलो करने के साथ-साथ अपना अलग स्टाइल स्टेटमेंट भी बनाती हैं। श्रद्धा अपनी नेचुरल ब्यूटी को लेकर भी फैंस के बीच चर्चा में रहती हैं। उनकी खूबसूरत स्माइल और पॉजिटिव पर्सनैलिटी हर आउटफिट में झलकती है। चाहे श्रद्धा कपूर सिंपल कैजुअल लुक में हों या फिर किसी ग्लैमरस अवतार में, श्रद्धा अपनी सादगी और एलिगेंस से सबका ध्यान खींच लेती हैं। श्रद्धा का मेकअप स्टाइल बेहद सॉफ्ट और नैचुरल रहता है, जो उनकी फीचर्स को और ज्यादा निखार देता है। वो अक्सर स्मोकी आईज, सॉफ्ट लिप्स और हल्के ग्लोइंग मेकअप के साथ नजर आती हैं। श्रद्धा सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं।

इंस्टाग्राम पर उनके 93.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जो उनके हर नए लुक का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। श्रद्धा भी अपने चाहने वालों को निराश नहीं करतीं और अक्सर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें और स्टाइलिश लुक्स शेयर करती रहती हैं। ईठा की बात करें तो इस फिल्म के डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर हैं। वहीं, फिल्म को दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है। ये फिल्म 28 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ईठा में श्रद्धा कपूर के अलावा रणदीप हुड्डा भी लीड रोल में हैं। इसके अलावा मोहम्मद जीशान अय्यूब भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। इस फिल्म का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'इमरजेंसी हमारे संविधान पर सीधा हमला था'

'संविधान हत्या दिवस' पर कंगना ने किया पोस्ट, साझा किया बीटीएस वीडियो

25 जून 1975 को देश में इमरजेंसी लगाई गई थी। जिसे भारत के इतिहास का एक काला दिन माना जाता है। यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी आज यानी 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाती है। आज 'संविधान हत्या दिवस' के मौके पर एक्ट्रेस और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भारत के इतिहास में 'इमरजेंसी' (आपातकाल) के दौर को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी। इसे लोकतंत्र की हत्या करार देते हुए एक्ट्रेस ने अपनी फिल्म 'इमरजेंसी' से एक बीटीएस वीडियो भी साझा किया। इंस्टाग्राम पर कंगना रनौत ने एक मैसेज पोस्ट किया, जिसमें संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करने और देश के सबसे विवादित राजनीतिक दौर में आई चुनौतियों को याद करने की अहमियत पर जोर दिया गया। अपनी फिल्म 'इमरजेंसी' की मेकिंग का एक बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, 'आज हम उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि दे रहे हैं, जिन्होंने भारत के इतिहास के सबसे काले दौर इमरजेंसी के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती से रक्षा की।

इमरजेंसी हमारे संविधान पर सीधा हमला था। इसमें नागरिक आजादी को सस्पेंड कर दिया गया, अभिव्यक्ति की आजादी पर रोक लगाई गई, नेताओं, पत्रकारों और समाज सेवकों को गिरफ्तार किया गया और उन संस्थाओं पर हमला किया गया जो हमारे लोकतंत्र की नींव हैं। मैंने इस विषय पर एक फिल्म डायरेक्ट की, उसमें एक्टिंग की और उसे प्रोड्यूस भी किया। एक फिल्ममेकर के तौर पर यह एक शानदार अनुभव था।'

बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी कंगना की 'इमरजेंसी'

इसके साथ ही कंगना ने 'इमरजेंसी' फिल्म की एक क्लिप भी साझा की। इसमें अनुपम खेर, सतीश कौशिक और श्रेयस तलपड़े जैसे कलाकार कंगना के निर्देशन की तारीफ कर रहे हैं। कंगना रनौत द्वारा निर्देशित, निर्मिति और स्टारर 'इमरजेंसी' पिछले साल 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी और फ्लॉप रही थी।

'मिर्जापुर- द मूवी' का टीजर रिलीज, दिखा मुन्ना-गुड्डू का भौकाल, रवि किशन ने दिया सरप्राइज

पॉपुलर वेब सीरीज 'मिर्जापुर' अब बड़े पर्दे पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है। पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु की मच अवेटेड फिल्म 'मिर्जापुर- द मूवी' का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर रिलीज होने के बाद फैंस ने अपने रिएक्शन शेयर किए हैं।

टीजर में पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु काफी खतरनाक अवतार में नजर आए। तीनों के बीच मिर्जापुर की गद्दी की लड़ाई जारी है। टीजर में अली फजल और दिव्येंदु शानदार एक्शन करते नजर आ रहे हैं। फिल्म में नए किरदारों की एंट्री हुई है।

फिल्म में 'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार और रवि किशन की एंट्री हुई है। दोनों टीजर में काफी अलग और अनोखे अंदाज में नजर आए हैं। टीजर देखकर लगता है कि दोनों का रोल काफी अहम होने वाला है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

'मिर्जापुर: द मूवी' का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। इसे पुनीत कृष्णा ने लिखा है। इसे एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है। 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

टीजर पर फैंस का रिएक्शन

अब टीजर रिलीज होने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई है। कई यूजर्स ने कमेंट कर टीजर को लेकर अपना रिएक्शन दिया है। एक यूजर ने कमेंट किया- 'अब 4 सितंबर का इंतजार नहीं हो रहा।' दूसरे ने कमेंट किया- 'मिर्जापुर का एक नियम है- लॉयल रहना पड़ेगा।' वहीं एक यूजर ने लिखा- 'बबलू पंडित के किरदार में जीतू परफेक्ट कॉम्बो है।'

एक अन्य यूजर ने लिखा- 'विक्रांत की याद आएगी।' इसके अलावा जहां एक तरफ कई यूजर्स मुन्ना भैया को देखकर खुश हुए, तो वहीं कुछ यूजर्स ने सवाल पूछा- 'मुन्ना भैया जिंदा कैसे हो गए?' रवि किशन को देखकर यूजर्स ने कहा- 'रवि किशन आउट ऑफ सिलेबस आ गए।' कई यूजर्स ने मिर्जापुर के स्टिकर्स और जीआइएफ शेयर कर एक्साइटमेंट जाहिर की है।

शाहरुख ने किया डेब्यू पर दिव्या भारती के नाम पर चली 'दीवाना', ऋषि कपूर ने नहीं बदलने दिया क्लाइमैक्स

25 जून 1992 को रिलीज हुई फिल्म 'दीवाना' ने 34 साल पूरे कर लिए हैं। इस फिल्म में ऋषि कपूर, दिव्या भारती और शाहरुख खान मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन राज कंवर ने किया था। खास बात यह है कि इसी फिल्म से शाहरुख खान ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

चाहे आप 90 के दशक के हों या आज की जेनरेशन से, आपने कभी न कभी 'ऐसी दीवानगी' गाना जरूर सुना होगा। लेकिन इस फिल्म के बनने की कहानी भी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। अ

हेमा मालिनी करवाना चाहती थीं शाहरुख खान का डेब्यू

1991 में अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'दिल आशना है' के लिए हेमा मालिनी एक नए चेहरे की तलाश कर रही थीं। इसी दौरान उन्होंने टीवी शो 'फौजी' में शाहरुख खान को देखा और उन्हें ऑडिशन के लिए बुलाया। पहली मुलाकात में शाहरुख का लुक देखकर वह पूरी तरह प्रभावित नहीं हुईं, लेकिन उन्होंने उन्हें दोबारा बुलाया और उनका लुक बदलवाया। बाद में धर्मेंद्र से मुलाकात के दौरान उन्होंने कहा कि इस लड़के में कुछ खास है और इसे मौका मिलना चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि 'दिल आशना है' शाहरुख की पहली साइन की गई फिल्म थी, लेकिन रिलीज में देरी के कारण 'दीवाना' पहले रिलीज हुई और वही उनकी डेब्यू फिल्म बन गई।

फिल्म के लिए पहले अरमान कोहली और सनी देओल को अप्रोच किया गया था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसके बाद निर्माता गुड्डू धनोआ, शेखर कपूर के कहने पर शाहरुख खान से मिलने दिल्ली गए।

गुड्डू धनोआ ने एक इंटरव्यू में बताया कि उस समय तक शाहरुख की कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई थी। शुरुआत में शाहरुख ने फिल्म करने से मना कर दिया क्योंकि वह पहले से कई फिल्मों में व्यस्त थे। लेकिन जब उन्होंने कहानी सुनी, खासकर सेकंड हाफ, तो उन्हें बहुत पसंद आया और उन्होंने फिल्म करने के लिए हां कह दी।

दिलचस्प बात यह रही कि जिन फिल्मों के लिए उनके पास समय नहीं था, उन्हीं के बीच 'दीवाना' की शूटिंग पूरी हुई और वही सबसे पहले रिलीज होकर सुपरहिट साबित हुई।

शाहरुख खान को फिल्म लगी थी 'बिना लॉजिक' की

शाहरुख खान ने एक इंटरव्यू में बताया था कि 'दीवाना' बिना ज्यादा लॉजिक वाली फिल्म थी। उन्होंने कहा कि यह उनकी गलती थी कि उन्होंने स्क्रिप्ट पूरी तरह नहीं पढ़ी। उस समय वह एक साथ कई फिल्मों की शूटिंग कर रहे थे। जब दूसरी फिल्मों की शूटिंग कैंसल होती, तब वह 'दीवाना' की शूटिंग करते थे। कई बार तो उनके पास पूरी स्क्रिप्ट भी नहीं होती थी और शूटिंग लोकेशन के हिसाब से होती थी। उन्होंने यह भी कहा कि इसका असर उनकी परफॉर्मेंस पर पड़ा और यह गलती वह दोबारा कभी नहीं दोहराना चाहेंगे।

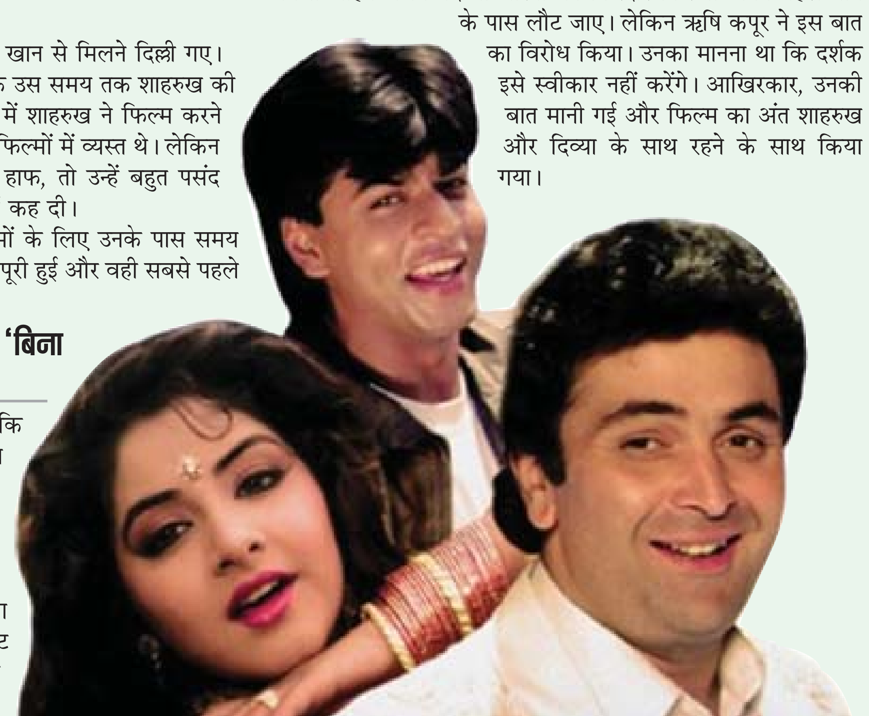

'ऐसी दीवानगी' गाना ऋषि कपूर को बहुत पसंद था

फिल्म का सुपरहिट गाना 'ऐसी दीवानगी' सुनकर ऋषि कपूर इतने प्रभावित हुए कि वह चाहते थे कि यह गाना उन पर फिल्माया जाए। लेकिन निर्देशक राज कंवर का मानना था कि यह गाना शाहरुख खान के किरदार के लिए ज्यादा सही है। आखिरकार, यह गाना शाहरुख और दिव्या भारती पर फिल्माया गया और आज भी यह फिल्म के सबसे लोकप्रिय गानों में शामिल है।

फिल्म के क्लाइमैक्स में ऋषि कपूर के किरदार की मौत हो जाती है। मेकर्स चाहते थे कि दिव्या भारती का किरदार फिर से अपने पहले पति के पास लौट जाए। लेकिन ऋषि कपूर ने इस बात का विरोध किया। उनका मानना था कि दर्शक इसे स्वीकार नहीं करेंगे। आखिरकार, उनकी बात मानी गई और फिल्म का अंत शाहरुख और दिव्या के साथ रहने के साथ किया गया।

राजकुमार राव की फिल्म प्रहार-द उज्ज्वल निकम स्टोरी की रिलीज तारीख का ऐलान

मैडॉक फिल्म्स ने अपनी अगली फिल्म प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी का ऐलान कर दिया है। इसमें राजकुमार राव मुख्य किरदार में नजर आएंगे। उनके साथ लीड रोल में वामिका गब्बी हैं, जो अभिनेता के साथ पहले भूल चूक माफ(2025) में नजर आई थीं। अविनाश अरुण द्वारा निर्देशित यह एक बायोग्राफिकल फिल्म है, जो देश के सबसे प्रसिद्ध वकीलों में से एक उज्ज्वल निकम की जिंदगी से प्रेरित होगी। फिल्म की रिलीज तारीख का ऐलान कर दिया गया है।

ट्रेड विश्लेषक और फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने एक्स पर फिल्म की रिलीज तारीख का ऐलान किया है। उन्होंने लिखा, दिनेश विजान और राजकुमार राव एक बार फिर साथ आ रहे हैं। प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी की रिलीज तारीख का ऐलान हो गया है। यह 7 अगस्त, 2026 को आएगी। दिलचस्प बात यह है कि मैडॉक एक ही महीने में अपनी 2 फिल्में लेकर आ रहा है। दरअसल, श्रद्धा कपूर अभनीत फिल्म ईथा 28 अगस्त को रिलीज होगी।

30 मार्च, 1953 को जलगांव में जन्मे उज्ज्वल निकम भारत के सबसे प्रतिष्ठित लोक अभियोजकों में से एक हैं। उन्हें कई ऐतिहासिक आपराधिक मामलों को संभालने के लिए जाने जाते हैं। खासतौर पर, 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मुकदमे में दोषियों को सजा दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। राजकुमार की फिल्म इस ऐतिहासिक मुकदमे के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण कानूनी मामलों पर प्रकाश डालेगी। फिल्म में सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में शामिल हैं।

खास खबर

महापौर चौबे ने तत्काल कब्जा हटाने दिया निर्देश

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम जोन 7 क्षेत्र अंतर्गत डॉ ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड क्षेत्र में महोबा बाजार ब्रिज के पास रेलवे पटरी के समीप राजीव नगर क्षेत्र के नाले को बिल्डर द्वारा पाटकर सफाई बाधित कर दिए जाने और नाले की भूमि पर अवैध कब्जा कर लिए जाने की जानकारी भूमि का सीमांकन जनशिकायत को बारिश पूर्व नाला सफाई निरीक्षण के दौरान तत्काल संज्ञान में लेकर महापौर मीनल चौबे द्वारा दिए गए निर्देश पर करवाए गए भूमि की सीमांकन कार्रवाई में प्राप्त हुई है। सीमांकन कराने से जानकारी मिली है कि महोबा बाजार नाले पर बिल्डर ने कब्जा कर लिया है। महापौर के दौरे के बाद नगर निगम को भूमि का सीमांकन करने पर यह जानकारी मिली कि बिल्डर ने नाले को पाटकर अवैध कब्जा कर लिया है, महापौर ने तत्काल अवैध कब्जा को हटाने के सख्त निर्देश नगर निगम जोन 7 अधिकारियों को दिए हैं। महापौर जब बारिश पूर्व नाले की सफ ाई व्यवस्था देखने के लिए निकलीं, तो राजीव नगर में नाले के स्थान पर मात्र लगभग 50 मीटर के बाद उन्हें नाला गायब मिला।

28 जून से राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान

सुकमा। राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान का आयोजन सुकमा जिले में 28 जून 2026 से 30 जून 2026 तक किया जाएगा। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दीपेश चन्द्राकर एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. गीतु हरीत के नेतृत्व में यह अभियान संचालित होगा। तीन दिवसीय अभियान के दौरान जिले के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 37 हजार 518 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान की तैयारियों के तहत जिला टास्क फोर्स की बैठक भी पूर्ण कर ली गई है।अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में 389 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां पहले दिन बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। इसके लिए 1304 बूथ टीम सदस्यों और 40 पर्यवेक्षक दलों की तैनाती की गई है।

ई-केवायसी के बिना पंजीकृत श्रमिकों को नहीं मिलेगा अब योजना का लाभ

मोहला। सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत उचित मूल्य दुकानों के राशन कार्ड सदस्यों की तरह श्रम विभाग में भी अब पंजीकृत श्रमिकों को ई-केवायसी कराना अनिवार्य है। ई-केवायसी प्रक्रिया के तहत श्रमिकों का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद ही श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। ई-केवायसी के पूर्व पंजीकृत श्रमिकों के पंजीयन कार्ड की जानकारी जैसे नाम, जन्मतिथि ,लिंग , मोबाइल नंबर आदि का आधार कार्ड में दर्ज विवरण के अनुरूप संशोधन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले में संचालित लोक सेवा केंदों सीएससी) को इस कार्य के लिए अधिकृत किया है।

सहकारिता सप्ताह को जनआंदोलन बनाने की तैयारी

सहकारिता मंत्रालय के 5 वर्ष पूर्ण होने पर 29 जून से 6 जुलाई तक मनाया जाएगा सहकारी सप्ताह

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक पूरे देश में सहकारी सप्ताह मनाया जाएगा। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ में भी सहकारिता के माध्यम से समृद्धि, आत्मनिर्भरता और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। राज्य स्तरीय सहकारी चिंतन शिविर, सहकार मेला, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस समारोह एवं सहकारी संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि तथा सहकारिता मंत्री केदार कश्यप अध्यक्षता करेंगे।

गौरतलब है कि सहकारी सप्ताह के सफल आयोजन के लिए सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने विगत 23 जून को विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इसके साथ ही उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश की पैक्स समितियों के प्राधिकृत अधिकारियों एवं संभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री कश्यप ने सभी संबंधित संस्थाओं और समितियों को आयोजन में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

सहकारी सप्ताह के दौरान प्रदेश की सभी 2573 पैक्स समितियों सहित दुग्ध, मत्स्य, बुनकर एवं अन्य सहकारी समितियों द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इनमें प्रमुख रूप से सहकारी ध्वजारोहण,सदस्यता अभियान,माइक्रो एटीएम, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) एवं रू-पे केसीसी कार्ड वितरण,सहकार दौड़,वृक्षारोपण अभियान,मृदा परीक्षण,कृषक संगोष्ठियां एफपीओ एवं पैक्स की भूमिका पर परिचर्चा आदि कार्यक्रम शामिल हैं।

सहकारी सप्ताह के समापन अवसर पर 6 जुलाई 2026 को भारत सरकार के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री द्वारा सहकारी क्षेत्र में विकेंद्रीकृत विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के अंतर्गत प्रदेश के 9 पैक्स में गोदाम निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया जाएगा। राज्य स्तरीय सहकारी चिंतन शिविर, सहकार मेला, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस समारोह एवं सहकारी संगोष्ठी का आयोजन 3 एवं 4 जुलाई 2026 को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषि मंडपम ऑडिटोरियम, लाभांडी (रायपुर) में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि तथा सहकारिता मंत्री केदार कश्यप अध्यक्षता करेंगे। सहकारी संस्थाओं और राष्ट्रीय संगठनों की होगी भागीदारी कार्यक्रम में पैक्स, दुग्ध, मत्स्य, लघु वनोपज, बुनकर एवं अन्य सहकारी समितियों के साथ-साथ नाबार्ड, एनसीडीसी, एनसीसीएफ नैफेड, सीएससी, इफ्को, कृभको, राज्य सहकारी संघ तथा अन्य प्रमुख संस्थाएं अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगी।

सहकार मेले में सहकारिता क्षेत्र की उपलब्धियों, नवाचारों और सफल मॉडलों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही किसानों, महिला समूहों, दुग्ध उत्पादकों, मत्स्य पालकों, बुनकरों एवं ग्रामीण उद्यमियों को सहकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, सहभागिता और विभिन्न गतिविधियों के सफल संचालन पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सभी ने सहकारिता आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने तथा सहकारी सप्ताह को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

सहकारी सप्ताह के आयोजन को लेकर सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्या0 (अपेक्स बैंक) के प्राधिकृत अधिकारी केदार नाथ गुप्ता, छ0ग0राज्य सहकारी विपणन संघ मार्कफेड के अध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक दुर्ग के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक राजनांदगांव अध्यक्ष सचिन बघेल, निरंजन सिन्हा, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक बिलासपुर अध्यक्ष रजनीश सिंह, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक जगदलपुर दिनेश कश्यप, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक अध्यक्ष अंबिकापुर रामकिशुन सिंह एवं अन्य सहकारी प्रतिनिधियों अपेक्स बैंक, मार्कफेड, जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों तथा अन्य सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय सर्वेक्षणों की तैयारी पूरी : राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला संपन्न

33 जिलों के अधिकारियों ने लिया हिस्सा, फील्ड प्रशिक्षण से मिला व्यावहारिक अनुभव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। संचालनालय आर्थिक एवं सांख्यिकी, छत्तीसगढ़ द्वारा इंद्रावती भवन, नवा रायपुर में 22 से 25 जून 2026 तक प्रवास संबंधी विवरण सर्वेक्षण, अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण तथा कृषि परिवारों का स्थिति आकलन सर्वेक्षण के संबंध में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन संचालनालय आर्थिक एवं सांख्यिकी के संचालक तीर्थ राज अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के अंतर्गत संचालित ये सर्वेक्षण देश की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के आकलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनसे प्राप्त आंकड़े शासन की विकास योजनाओं, कल्याणकारी कार्यक्रमों तथा नीति-निर्माण की प्रक्रिया को सुदृढ़ आधार प्रदान करते हैं।

चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रवास सर्वेक्षण, अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण तथा कृषि परिवारों के स्थिति आकलन सर्वेक्षण की अवधारणाओं, परिभाषाओं, सूचीकरण कार्य, अनुसूचियों के संधारण एवं आंकड़ा संकलन की प्रक्रिया संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रश्नोत्तर एवं फीडबैक सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

फील्ड प्रशिक्षण में सीखी सर्वेक्षण कार्य की वास्तविक प्रक्रिया

कार्यक्रम में राज्य के सभी 33 जिलों से आए फील्ड अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। अंतिम दिवस 25 जून को प्रतिभागियों को क्षेत्र भ्रमण के माध्यम से फील्ड प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने चयनित क्षेत्रों में जाकर सूचीकरण एवं सर्वेक्षण कार्य की वास्तविक प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा विभिन्न प्रपत्रों को भरने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस फील्ड प्रशिक्षण से प्रतिभागियों को सर्वेक्षण कार्य के क्रियान्वयन संबंधी व्यवहारिक अनुभव प्राप्त हुआ, जिससे आगामी फील्ड कार्य को अधिक प्रभावी, सटीक एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपादित किया जा सकेगा।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि सचिता राकेश अग्रवाल, उप निदेशक, एफओडी डिवीजन, रायपुर ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय आंकड़ों का संकलन किसी भी सर्वेक्षण की सफलता का आधार होता है तथा फील्ड स्तर पर कार्य करने वाले अधिकारी इस महत्वपूर्ण दायित्व के प्रमुख भागीदार हैं।

ग्राम सभाओं में आवास प्लस 2.0 की प्रतीक्षा सूची का हुआ सत्यापन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेशभर में 24 जून को विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इन बैठकों में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण से तैयार स्थायी प्रतीक्षा सूची को ग्रामवासियों के समक्ष प्रस्तुत कर उसका सत्यापन कराया गया। ग्राम सभाओं में प्राप्त सुझावों और स्थानीय जानकारी के आधार पर पात्र परिवारों की प्राथमिकता तय करने की प्रक्रिया पूरी की गई।

बैठकों के दौरान ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत दावे एवं आपत्तियों का नियमानुसार परीक्षण कर उनका अभिलेखीकरण किया गया। ग्राम सभा की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद अंतिम सूची को निर्धारित ऑनलाइन प्रणाली में दर्ज किया जाएगा, जिससे पात्र हितग्राहियों के चयन की प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी तथा व्यवस्थित हो सके। प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित इन ग्राम सभाओं में ग्रामीणों, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा जनप्रतिनिधियों की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। योजनाओं से जुड़े विषयों पर खुली चर्चा और स्थानीय स्तर पर सहभागिता ने ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के प्रति लोगों के विश्वास को और मजबूत किया। इस अवसर पर विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी रामजी योजना की भी विस्तारपूर्वक जानकारी साझा की गई। ग्रामीणों को योजना के उद्देश्य, पात्रता, संभावित लाभ तथा क्रियान्वयन की रूपरेखा से अवगत कराया गया।

खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व का सर्वश्रेष्ठ माध्यम हैः मंत्री राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल गांधी स्टेडियम, अंबिकापुर में सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय बास्केटबॉल लीग चौम्पियनशिप-2026 के समापन समारोह में शामिल हुए।

उन्होंने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पदक एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया तथा सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि खेल केवल जीत और हार का माध्यम नहीं हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और संघर्ष करने का जज्बा भी सिखाते हैं। खेलों से बच्चे शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनते हैं तथा जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि खेल युवा शक्ति के व्यक्तित्व विकास का सबसे प्रभावी माध्यम हैं और प्रत्येक खिलाड़ी को पूरे समर्पण, ईमानदारी और खेल भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा का वास्तविक उद्देश्य प्रतिभा को निखारना और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। ऐसे आयोजन खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के साथ-साथ बड़े मंचों तक पहुंचने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से नियमित अभ्यास जारी रखने और प्रदेश व देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। समापन समारोह में फाइनल मुकाबलों के बाद विजेता एवं उपविजेता टीमों को पदक और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को जिला स्तरीय सहभागिता प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए। बालिका वर्ग के फाइनल में सरगुजा बॉयलर्स ने सरगुजा फाइटर्स को पराजित कर खिताब अपने नाम किया, जबकि बालक वर्ग के फाइनल में सरगुजा लायंस ने सरगुजा ब्लैक पैंथर्स को हराकर चौम्पियन बनने का गौरव प्राप्त किया। जिला स्तरीय बास्केटबॉल लीग चौम्पियनशिप का आयोजन खिलाड़ियों को अधिक से अधिक प्रतिस्पर्धात्मक मैचों का अनुभव उपलब्ध कराने और जिले में बास्केटबॉल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय बास्केटबॉल कोच राजेश प्रताप सिंह, पूर्व खिलाड़ी एवं समाजसेवी संजय अग्रवाल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य निशांत सिंह गोयल सहित खेल प्रेमी, खिलाड़ी, प्रशिक्षक और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी एवं मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने दिखाई हरी झंडी, महिलाओं को सौंपे गए ई-ऑटो

पिंक ऑटो योजना का हुआ विस्तारः 52 और महिलाओं को मिली आत्मनिर्भरता की राह

पहले चरण की सफलता के बाद महिलाओं की मासिक आय पहुंची 25 से 30 हजार रुपये तक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पिंक ऑटो प्रोजेक्ट के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया गया। वित्त मंत्री ओपी चौधरी एवं मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने नवा रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में पिंक ई-ऑटो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने स्वयं ई-ऑटो में बैठकर महिलाओं का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में द्वितीय चरण के अंतर्गत 52 महिलाओं को पिंक ई-ऑटो प्रदान किए गए। इससे पहले प्रथम चरण में 40 महिलाओं को ई-ऑटो उपलब्ध कराए गए थे। योजना की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लाभान्वित महिलाएं वर्तमान में प्रति माह 25 से 30 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं। इस अवसर पर प्रथम चरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। सम्मानित महिलाओं में ग्राम राखी की चंद्रिका साहू, कोटराभाठा की श्रीमती शीतू कोशले, ग्राम बेंद्री की श्रीमती रेशम साहू तथा ग्राम तूता की श्रीमती ज्ञानी बैस शामिल रहीं।

योजना के तहत प्रथम चरण में 14 ग्रामों और 16 ग्राम संगठनों की 40 महिलाओं को लाभ मिला था, जबकि द्वितीय चरण में 23 ग्रामों एवं 25 ग्राम संगठनों की कुल 52 महिलाओं को ई-ऑटो प्रदान किए गए हैं।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि पिंक ऑटो योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रही है। इस पहल से महिलाओं की आय में वृद्धि हुई है और वे सम्मानजनक तरीके से आत्मनिर्भर जीवन की ओर अग्रसर हो रही हैं। उन्होंने सभी हितग्राही महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह योजना उन्हें आत्मविश्वास और नई पहचान प्रदान करेगी।

कार्यक्रम में आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, एनआरडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदन कुमार, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के तहत जिले के 2 विद्यार्थियों का हुआ चयन

धमतरी। इंस्पायर अवार्ड मानक योजना अंतर्गत धमतरी जिले के शासकीय माध्यमिक शाला देवरी की छात्रा कु. सुनैना और कुरूद विकासखण्ड के शासकीय माध्यमिक शाला कोसमर्रा की कु. समीक्षा को राष्ट्रीय स्तर से चयनित होकर अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी सकुरा जापान के लिए चयनित हुए है। इसके लिए आज 25 जून 2026 को धमतरी से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मधुलिका तिवारी ने बताया कि नई दिल्ली से 27 जून 2026 को सकुरा साइंस हाईस्कूल प्रोग्राम ऑफ जापान के लिए प्रस्थान करेंगे। जहां कार्यक्रम/प्रदर्शनी के उपरांत 04 जुलाई 2026 को वापस नई दिल्ली पहुंचेंगे।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171132

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

बलरामपुर में बिजली गिरने से 2 की मौतें

रायपुर। बलरामपुर जिले के चांदो थाना क्षेत्र के कंदरी गांव में बुधवार शाम बिजली गिरने से दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे खड़े थे, तभी दोनों बिजली के चपेट में आ गए। मौसम विभाग ने अगले 7 दिनों तक प्रदेश के कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश और बिजली गिरने की आशंका जताई है। लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े नहीं होने की अपील की गई है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। वहीं, अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस बिलासपुर में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस पेंड्रा रोड में दर्ज हुआ। मानसून ने अब तक 18 से अधिक जिलों में स्ट्राइक किया है। इनमें मुख्य रूप से रायपुर, दुर्ग, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, बलौदाबाजार, बेमेतरा, कबीरधाम, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर, बस्तर, दंतेवाड़ा सुकमा, बीजापुर शामिल हैं।

मॉर्निंग वॉक के दौरान निगम कर्मी पर किया चाकू से हमला

रायपुर। राजधानी रायपुर के मोतीबाग गार्डन में मॉर्निंग वॉक पर पहुंचे नगर निगम के कर्मचारी पर 3 युवकों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। कोतवाली पुलिस के अनुसार, वीरभद्र नगर निवासी कृष दीप ने आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। गुरुवार सुबह वह अपने दोस्तों सुमित, आदि और बब्बू के साथ मोतीबाग गार्डन घूमने गया था। इसी दौरान हर्ष सोनी, नवीन सोनी और देव वहां पहुंचे। तीनों ने पुरानी रंजिश को लेकर पहले गाली-गलौज की और फिर हमला कर दिया। आरोप है कि देव ने पहले युवक को पीछे से पकड़ लिया, जबकि हर्ष और नवीन ने चाकू निकालकर उस पर ताबड़तोड़ वार किए। हमले में कृष दीप के सीने, कंधे और पैर में गंभीर चोटें आईं और वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे सुमित की हाथ की उंगली पर भी चाकू लग गया, जिससे वह घायल हो गया। पीड़ित का कहना है कि अगर उसके दोस्तों ने समय पर हस्तक्षेप नहीं किया होता तो आरोपी उसकी हत्या भी कर सकते थे। घटना के बाद घायल को मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

रेत से भरा ट्रैक्टर पलटा, एक युवक की मौत, दो गंभीर

कोरबा। उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम मड़वारानी में सोन नदी से रेत निकालकर लौट रहे एक ट्रैक्टर के पलट जाने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार मड़वारानी निवासी शिवकुमार पटेल (29 वर्ष), पिता दुबराज पटेल, अमित कुमार तथा कुछ अन्य लोग ट्रैक्टर लेकर सोन नदी में रेत निकालने गए थे। रेत लेकर वापस लौटते वक्त ग्राम जर्वे के पास ट्रैक्टर तेज रफ्तार होने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा इतना गंभीर था कि शिवकुमार पटेल ट्रैक्टर के इंजन के नीचे दब गया, जबकि चालक अमित कुमार और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद शिवकुमार को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला। इसके बाद उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जिले में रेत खदानों पर प्रतिबंध होने के बावजूद कई नदी-नालों से चोरी-छिपे रेत निकासी का कारोबार लगातार जारी है। प्रशासनिक सख्ती के दावों के बीच रेत तस्कर बेखौफ होकर नदियों में मशीनों और ट्रैक्टरों के माध्यम से रेत निकाल रहे हैं।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायत पर बड़ी कार्रवाई

अधिक कीमत पर खाद बेचने वाले विक्रय केंद्र पर छापा, 3219 बोरी उर्वरक जब्त, केंद्र सील

श्रीकंचनपथ न्यूज

किसानों के हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार किसानों को निर्धारित दर पर खाद-बीज उपलब्ध कराने और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राज्य सरकार लगातार सख्त कदम उठा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में प्राप्त शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सरगुजा जिले में कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। अंबिकापुर के नेहरूनगर (डीगमा) स्थित एक उर्वरक विक्रय केंद्र पर औचक निरीक्षण कर 3219 बोरी उर्वरक जब्त किए गए हैं तथा विक्रय केंद्र को सील कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक कृषक ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराई थी कि नेहरूनगर (डीगमा) स्थित मेसर्स सरगुजा कृषि राय केंद्र द्वारा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरकों का विक्रय किया जा रहा है। शिकायत प्राप्त होते ही कृषि विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच प्रारंभ की।

जांच के दौरान शिकायतकर्ता किसान के बयान एवं ऑनलाइन भुगतान से संबंधित डिजिटल साक्ष्यों का परीक्षण

किया गया। जांच में निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर उर्वरक विक्रय किए जाने की पुष्टि होने पर जिला स्तरीय टीम ने 25 जून को संबंधित प्रतिष्ठान पर औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान परिसर में उपलब्ध 3219 बोरी उर्वरक जब्त किए गए तथा संपूर्ण विक्रय केंद्र को सील कर दिया गया। कृषि विभाग की इस सख्त कार्रवाई से जिले के उर्वरक विक्रेताओं में स्पष्ट संदेश गया है कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कार्रवाई के दौरान सहायक संचालक कृषि कुंवर साय पैंकरा, उर्वरक निरीक्षक जे. आलम, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री सीताराम भगत सहित कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों को निर्धारित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा अधिक कीमत पर बिक्री करने वालों के विरुद्ध आगे भी लगातार निरीक्षण एवं कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। किसानों से भी अपील की गई है कि वे ऐसी किसी भी अनियमितता की जानकारी तत्काल मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 अथवा कृषि विभाग को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

कोरबा में एटीएम चोरी का प्रयासः अलार्म बजते ही भागे चोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के मानिकपुर क्षेत्र में दो नकाबपोश बदमाशों ने आधी रात इंडिकैश एटीएम को तोड़कर कैश बॉक्स तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन अलार्म और सुरक्षा प्रणाली के चलते असफल रहे। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हुई है और पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

कोरबा में आधी रात शातिर बदमाशों ने इंडिकैश एटीएम को निशाना बनाया, लेकिन चोरी का प्रयास विफल रहा। मानिकपुर चौकी क्षेत्र के शारदा विहार पेट्रोल पंप के पास स्थित इंडिकैश एटीएम में गुरुवार देर रात दो नकाबपोश युवकों ने पैनल तोड़कर कैश बॉक्स तक पहुंचने की कोशिश की। मशीन के अलार्म और सुरक्षा प्रणाली के चलते बदमाश अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके।

घटना की जानकारी गुरुवार सुबह तब हुई,

जब आसपास की दुकानें खुलीं। दुकानदारों ने एटीएम का टूटा पैनल और बिखरा सामान देखा तो तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचना दी। सूचना मिलते ही मानिकपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने एटीएम के अंदर और बाहर मिले औजारों तथा टूटे पैनल को कब्जे में ले लिया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों नकाबपोश युवक देर रात एटीएम में घुसे और मशीन के सामने वाले पैनल को गैस कटर या किसी भारी औजार से काटने का प्रयास किया। वे कैश बॉक्स तक पहुंचना चाहते थे, लेकिन एटीएम की सुरक्षा परत और समय रहते बज गए अलार्म के कारण घबराकर मौके से फरार हो गए। पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज में दोनों युवक नकाब पहने और हाथों में औजार लिए दिखाई दे रहे हैं।

मानिकपुर चौकी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज जब्त कर आरोपियों की पहचान शुरू कर दी है। आसपास के पेट्रोल पंप, दुकानों और सड़क किनारे लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुड़ापार मुख्य मार्ग स्थित इस एटीएम के आसपास देर रात तक नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। इससे पहले भी पुलिस यहां पेट्रोलिंग कर नशेड़ियों के खिलाफ कार्रवाई कर चुकी है। लोगों का आरोप है कि उनकी मौजूदगी के कारण इलाके में अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं।

हार्डवेयर और इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में चोरी, 80 हजार का माल लेकर भागा, तलाश में पुलिस

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक हार्डवेयर और इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में चोरी का मामला सामने आया है। अज्ञात चोर दुकान की छत में लगे टीन और पीओपी को तोड़कर अंदर घुसा और करीब 80 हजार रुपए का सामान लेकर फरार हो गया।

पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है। पीड़ित कारोबारी का नाम पुलिस ने राहुल डुंडी बताया है। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है।

कारोबारी राहुल डुंडी ने पुलिस को बताया कि वह न्यू राजेंद्र नगर स्थित पवन विहार कॉलोनी का निवासी है और देवपुरी में कृष्णा

हार्डवेयर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स के नाम से दुकान संचालित करता है। 22 जून की रात करीब 8 बजे वह दुकान बंद कर घर चला गया था।

अगले दिन 23 जून की सुबह करीब 8:30 बजे जब वह दुकान खोलने पहुंचा तो अंदर का नजारा देखकर हैरान रह गया। दुकान की छत में लगा टीन और पीओपी टूटा हुआ था और सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि कई मशीनें और हार्डवेयर सामग्री गायब है। चोरी हुए सामान में 8 ग्राइंडर, 5 कटर मशीन, 5 वाइब्रेटर मशीन, 4 ड्रिल मशीन, 2 ट्रेवर ब्रेकर मशीन, 40 ब्रास नल, 40 कटर ब्लेड सहित अन्य सामग्री शामिल है। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 80 हजार रुपए बताई गई है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चोर छत के रास्ते दुकान में घुसा और आराम से सामान समेटकर फरार हो गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसकी पहचान करने में जुटी हुई है।

चोरी के मामले का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी आशीष शुक्ला के पर्यवेक्षण में थाना कवर्धा पुलिस द्वारा वाहन चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के छह दोपहिया वाहन बरामद किया गया हैं। बरामद वाहनों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 56 हजार रुपये आंकी गई है। कोतवाली थाना प्रभारी योगेश कश्यप ने बताया कि प्रार्थी मनहरण सिंह क्षत्रिय निवासी ग्राम रणवीरपुर थाना कवर्धा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 09 जेएफ 3893 अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई है।

रिपोर्ट पर थाना कवर्धा में अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। मामले की जांच के दौरान पुलिस द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर तकनीकी एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से संदिग्धों की पहचान की गई। पूछताछ में आरोपी सुनील कोसले पिता कन्हैया कोसले (26 वर्ष), निवासी रविदासनगर कवर्धा एवं सोनू पिता संतराम (22 वर्ष), निवासी गंगानगर कवर्धा को पकड़ा गया जिन्होंने पूछताछ पर चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कवर्धा, पंडरिया, बेमेतरा, रायपुर से मोटरसाइकिलें चोरी कर उन्हें अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखा हूँ। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने छह दोपहिया वाहन बरामद किए, जिनमें हीरो स्प्लेंडर, होंडा शाइन, बजाज प्लेटिना एवं अन्य मोटरसाइकिलें शामिल हैं। बरामद वाहनों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 1.56 लाख रुपये आंकी गई है। विवेचना के दौरान यह भी पाया गया कि आरोपियों में से एक के विरुद्ध पूर्व में भी चोरी सहित अन्य आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेजे जाने की कार्रवाई की गई ।कबीरधाम पुलिस ने आम नागरिकों से अपने वाहनों की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने तथा संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

सोसायटी के चावल की कालाबाजारी, आरोपी पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सोसायटी के चावल का अवैध परिवहन करने वाले आरोपी को सुपेला पुलिस ने वाहन सहित पकड़ा है। मुखबिर की सूचना पर राजीव नगर ईमामबाड़ा के पास घेराबंदी कर मालवाहक वाहन को रोककर कार्रवाई की गई तथा सोसायटी का चावल बरामद किया गया।

वाहन चालक से चावल के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया, किंतु कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। पुलिस ने 14 कट्टा सोसायटी चावल जप्त कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही हेतु खाद्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया गया।

दरअसल 24 जून 2026 को

थाना सुपेला पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सोसायटी का चावल एक नीले रंग के मालवाहक टेम्पो में अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा राजीव नगर ईमामबाड़ा के पास घेराबंदी कर बजाज मैक्सीमा मालवाहक वाहन क्रमांक सीजी 07 सीवी 2329 को रोककर जांच की गई।

जांच के दौरान वाहन में प्लास्टिक की बोरियों में कुल 14 कट्टा सोसायटी चावल पाया गया। वाहन चालक से चावल के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया, किंतु वह कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका तथा पूछताछ में गुमराह करता रहा। इसके बाद चालक एवं वाहन को थाना लाकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। प्रकरण में खाद्य विभाग के साथ समन्वय कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी विजय यादव, प्रधान आरक्षक नवीन सिंह, आरक्षक सुरेन्द्र पटेल, गम्भीर जाट एवं चालक आरक्षक बसंत मरढ़ीया की सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से संबंधित खाद्यान्न के अवैध भंडारण, परिवहन अथवा विक्रय की जानकारी तत्काल पुलिस अथवा संबंधित विभाग को दें। दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

रायगढ़ में नाबालिग लड़की से रेपः आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में युवक ने नाबालिग लड़की को डरा-धमका कर रेप किया है। आरोपी ने नाबालिग को नदी किनारे बुलाया और वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता के रिश्तेदारों के शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। मामला कापू थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, 21 जून को 14 साल की नाबालिग के पिता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 20 जून की रात वह अपनी पत्नी के साथ एक शादी में गए थे। देर रात जब वे घर लौटे, उनकी बेटी घर पर नहीं थी। घरवालों ने उसकी तलाश शुरू की तो वह अभिषेक टंडन (21) के घर पर मिली।

घरवाले उसे वापस लेकर आए। पूछताछ करने पर नाबालिग ने बताया कि 20 जून की शाम अभिषेक ने इंस्टाग्राम पर मैसेज भेजकर उसे नदी किनारे बुलाया था। वहां उसने डरा-धमकाकर जबरदस्ती की। इसके बाद वह लड़की को अपने घर ले गया, वहां रात में भी जबरदस्ती की।

पहले भी युवक ने की थी बदतमीजी

नाबालिग ने बताया कि साल 2024 में भी अभिषेक ने उसके साथ छेड़छाड़ की थी। घरवालों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। महिला पुलिस अधिकारी ने लड़की का बयान दर्ज किया, मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उसकी जांच कराई गई।

आरोपी पकड़ा गया, जेल भेजा गया

जांच के दौरान पुलिस टीम ने अभिषेक टंडन के घर पर छापा मारकर उसे पकड़ लिया। आरोपी ने अपना जुर्म मान लिया। पुलिस ने उसका मोबाइल फोन जब्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया, गुरुवार को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के आदेश पर उसे जेल भेज दिया गया है।

शिकायतों पर तुरंत एक्शन

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा से जुड़े अपराधों पर रायगढ़ पुलिस सख्त है। ऐसे मामलों में हर शिकायत पर तुरंत कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में भी आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

गरियाबंद में खाद की कालाबाजारी पर शिकंजा 280 बोरी डीएपी के साथ मेटाडोर जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गरियाबंद जिले में अवैध खाद कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डीएपी खाद से लदे एक मेटाडोर को जब्त किया है। वाहन से 280 बोरी खाद बरामद की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 3.50 लाख रुपये बताई जा रही है।

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में अवैध खाद कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डीएपी खाद से लदे एक मेटाडोर को जब्त किया है। वाहन से 280 बोरी खाद बरामद की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 3.50 लाख रुपये बताई जा रही है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, देवभोग थाना पुलिस रात्रि गश्त पर थी, तभी संदिग्ध मेटाडोर को रोककर उसकी जांच की गई। तलाशी के दौरान वाहन में बड़ी मात्रा में डीएपी खाद लदी मिली। आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने वाहन और खाद को कब्जे में ले लिया।

पूछताछ में चालक ने बताया कि वह 8 हजार रुपये किराए पर खाद की खेप लेकर जा रहा था। उसके अनुसार, यह खाद उरमाल क्षेत्र के एक लाइसेंसी

व्यापारी के कहने पर ओडिशा के सीनापाली से जांगड़ा पहुंचाई जा रही थी, जहां इसे एक मक्का व्यापारी को सौंपा जाना था। प्रारंभिक कार्रवाई के बाद पुलिस ने बरामद 280 बोरी डीएपी खाद को आगे की जांच और आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया के लिए कृषि विभाग के हवाले कर दिया है। विभाग अब खाद के स्त्रोत, परिवहन अनुमति और संबंधित व्यापारियों की भूमिका की जांच करेगा।

सूत्रों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और उत्पादन में कमी के कारण इस वर्ष रासायनिक खाद की उपलब्धता प्रभावित हुई है। ऐसे में कुछ लोग अधिक मुनाफा कमाने के लिए खाद की अवैध खरीद-फरोख्त और परिवहन में जुटे हुए हैं। प्रशासन का मानना है कि यह कार्रवाई खाद की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

वेतन लेकर घर लौट रही युवती से लूट

कोरबा। वेतन लेकर घर लौट रही एक युवती से बाइक सवार दो अज्ञात बदमाश मोबाइल फोन और नकदी छीनकर फरार हो गए। घटना सीएसईबी चैकी क्षेत्र की है। चिमनीभट्ठा निवासी नेहा पांडेय पावर हाउस रोड स्थित श्रीराम वस्त्रालय में काम करती है। वेतन लेकर पैदल अपने घर लौट रही थी एक्सिस बैंक के पास मेन रोड पर दो युवक मोटरसाइकिल से पहुंचे और झपट्टा मारकर उसका मोबाइल फोन छीन लिया। पुलिस को बताया कि उसके वीवो कंपनी के मोबाइल फोन के साथ वेतन की 9,840 रुपये की राशि भी रखी हुई थी। बाइक सवार बदमाश झपट्टा मारकर मोबाइल और नकदी लेकर फरार हो गए। युवती की शिकायत पर सीएसईबी पुलिस चैकी में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 304(2)-बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sis Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

खास खबर

सीएम हेल्पलाइन से मिला त्वरित समाधान, 24 घंटे के भीतर मिला विवाह प्रमाण पत्र

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और त्वरित जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी दिशा में संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन आम नागरिकों की समस्याओं के शीघ्र समाधान का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है। कोण्डागांव जिले में इसका एक सकारात्मक उदाहरण सामने आया है, जहां एक नागरिक को सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराने के मात्र 24 घंटे के भीतर विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। कोण्डागांव जिले के बड़ेराजपुर तहसील अंतर्गत ग्राम खालारी निवासी जितेन्द्र कुमार मरकाम एवं ग्राम आमगांव निवासी सरिता मरकाम का विवाह 27 अप्रैल 2026 को संपन्न हुआ था। विवाह प्रमाण पत्र की आवश्यकता होने पर उन्होंने संबंधित प्रक्रिया पूर्ण की, किंतु प्रमाण पत्र प्राप्त होने में विलंब होने के कारण उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से अपनी समस्या दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही जनपद पंचायत बड़ेराजपुर द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की गई और आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर 24 घंटे के भीतर विवाह प्रमाण पत्र जारी कर हितग्राहियों को उपलब्ध करा दिया गया। विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर जितेन्द्र कुमार मरकाम एवं सरिता मरकाम ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से उनकी समस्या का त्वरित समाधान हुआ, जिससे उन्हें काफी राहत मिली। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और जनकल्याण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का लाभ अब सीधे आम नागरिकों तक पहुंच रहा है, जिससे शासन के प्रति लोगों का विश्वास और अधिक मजबूत हो रहा है।

डोंगरगांव की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी, बना नगर पालिका, राज्य शासन ने जारी की अधिसूचना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन ने डोंगरगांववासियों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी करते हुए डोंगरगांव नगर पंचायत का नगर पालिका के रूप में उन्नयन कर दिया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है।

डोंगरगांव नगर पंचायत की सीमाएं ही डोंगरगांव नगर पालिका की सीमाएं होंगी। राज्य शासन के इस निर्णय से पूरे शहर में खुशी एवं उत्साह का वातावरण है। डोंगरगांव नगर पंचायत के नगर पालिका में उन्नयन के बाद वहां के जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने आज उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव से मुलाकात कर आभार व्यक्त किया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि इससे डोंगरगांव के सुनियोजित विकास को नई दिशा मिलेगी तथा शहरी सुविधाओं के विस्तार के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध होंगे।

उप मुख्यमंत्री साव ने डोंगरगांव के जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि नगर पालिका बनने के बाद डोंगरगांव में सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइट, उद्यान, सामुदायिक भवन सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाओं के विकास को गति मिलेगी।

साथ ही राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ भी अधिक प्रभावी ढंग से नगरवासियों तक पहुंच सकेगा। इस दौरान डोंगरगांव नगर पंचायत की अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, पार्षद मनबोधी पटेल, पदमनी ठाकुर, श्रीमती गायत्री यादव, श्रीमती लीला मंडलोई, डीकेश साहू, दीना पटेल और रामकुमार गुप्ता भी मौजूद थे।

नवा रायपुर को मिली आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई सौगात

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ

50 बिस्तरों वाले अस्पताल से नवा रायपुर एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों को मिलेगा बेहतर उपचार का लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नवा रायपुर के सेक्टर-9 में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से सुसज्जित एक सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी थे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री गुरु खुशवंत साहेब सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किसी भी राज्य के विकास का महत्वपूर्ण आधार होता है। नवा रायपुर में इस अत्याधुनिक अस्पताल की शुरुआत से क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा और अधोसंरचना के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है, जिससे प्रदेश के लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है।

मंत्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज देश के तेजी से प्रगति करने वाले राज्यों में शामिल हो चुका है। उन्होंने कहा कि एक समय जिन चुनौतियों की चर्चा होती थी, आज उन्हें पीछे छोड़ते हुए राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रदेश में निवेश बढ़ रहा है, उद्योगों का विस्तार हो रहा है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में निजी निवेश और आधुनिक अस्पतालों की स्थापना से नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार के प्रयासों और निजी क्षेत्र की सहभागिता से प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना लगातार मजबूत हो रही है, जिसका लाभ आम नागरिकों को मिल रहा है।

उल्लेखनीय है कि 50 बिस्तरों वाले सरोज सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। अस्पताल के संचालन से नवा रायपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं का लाभ मिलेगा तथा उपचार के लिए दूर-दराज के शहरों पर निर्भरता कम होगी।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, चिकित्सकों, अस्पताल प्रबंधन तथा बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही।

मनरेगा कर्मचारियों के हित में सरकार की संवेदनशील पहल

दिवंगत सहायक प्रोग्रामर के परिवार को 38 लाख रुपए की सहायता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मनरेगा कर्मचारियों और श्रमिकों के परिवारों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा कई संवेदनशील पहल की गई हैं। काम के दौरान किसी अनहोनी (मृत्यु) की स्थिति में उनके आश्रितों को अनुग्रह अनुदान/मुआवजा और अन्य लाभ दिए जाने का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने मार्गदर्शन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों के कल्याण और उनके परिवारों की सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण सामने आया है। जनपद पंचायत केशकाल में पदस्थ रहे दिवंगत सहायक प्रोग्रामर (मनरेगा) दीपक मरकाम के असामयिक निधन के पश्चात उनके परिवार को आर्थिक संबल प्रदान किया गया।

सड़क दुर्घटना में दीपक मरकाम के निधन के बाद एक्सिस बैंक द्वारा सैलरी अकाउंट के अंतर्गत उपलब्ध दुर्घटना मृत्यु बीमा के तहत 30 लाख रुपए की बीमा राशि तथा बच्चों की शिक्षा के लिए 8 लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता प्रदान की गई। इस प्रकार उनके परिवार को कुल 38 लाख रुपये की सहायता राशि मिली।

जिला प्रशासन एवं बैंक के समन्वय से त्वरित कार्रवाई करते हुए आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण की गईं और सहायता राशि का चेक दिवंगत कर्मचारी की पत्नी श्रीमती मालती मरकाम को प्रदान किया गया। यह पहल मनरेगा सहित ग्रामीण विकास योजनाओं में कार्यरत कर्मचारियों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और उनके परिवारों के हितों की सुरक्षा के संकल्प को दर्शाती है।

नाफेड ने शुरू की किसान हितैषी नई पहल छत्तीसगढ़ के शशिकांत द्विवेदी ने लिया हिस्सा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (नाफेड) ने किसानों को बिचौलियों से मुक्त करने और उन्हें सीधा लाभ पहुंचाने के लिए चार प्रमुख पहलों की शुरुआत की है। इनमें **NAFEX.in** , दृष्टि, ई.आर.पी. और नाफेड कल्याण शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के प्राधिकृत अधिकारी एवं नाफेड संचालक शशिकांत द्विवेदी ने 22 एवं 23 जून 2026 को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में इन पहलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि **NAFEX.in** पोर्टल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। वर्ष 2014 में नाफेड बंद होने की कगार पर था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की आर्थिक सहायता से इसे फिर से मजबूती दी गई। आज नाफेड 30,000 करोड़ रुपये के टर्नओवर और 500 करोड़ रुपये के मुनाफे के साथ देश के 74 लाख से अधिक किसानों की सेवा कर रहा है।

श्री द्विवेदी ने कहा कि नाफेड की नई व्यवस्था के तहत किसानों को उनकी उपज की कमाई मात्र 48 घंटे के अंदर सीधे बैंक खाते में पहुंचाई जा रही है। अगले दो वर्षों में दालहन की एक-एक दाना खरीदी नाफेड द्वारा की जाएगी। साथ ही किसानों के बच्चों की उच्च शिक्षा और कैरियर के लिए नाफेड कल्याण योजना शुरू की गई है, जिसमें मुनाफे का एक हिस्सा किसान परिवारों को दिया जाएगा।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 23 जून 2026 को नई दिल्ली में **NAFEX.in** पोर्टल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, नाफेड के अध्यक्ष जे.एम. अहीर और अन्य गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ से शशिकांत द्विवेदी सहित नाफेड के विभिन्न राज्यों के संचालक/प्राधिकृत अधिकारी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

भावी पीढ़ी के स्वास्थ्य के लिए अपनानी होगी जैविक खेती: मंत्री नेताम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अगर हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य देना है, तो रासायनिक खादों की अंधी दौड़ से बाहर निकलना होगा। धरती की उर्वरा शक्ति को बचाने और इंसानी सेहत को संवारने का एकमात्र रास्ता जैविक और प्राकृतिक खेती ही है।

यह विचार प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भाटापारा में आयोजित 'जिला स्तरीय तिलहन मेला सह जैविक कृषि कार्यशाला' के दौरान व्यक्त किए। शासकीय गजानन्द अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में संपन्न हुए इस समारोह में राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा और रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी विशेष रूप से मंच पर मौजूद रहे।

कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में 1 से 30 जून तक 'खेत चलो अभियान' चलाया जा रहा है, जिसका मुख्य ध्येय किसानों को पारंपरिक और प्राकृतिक खेती की ओर वापस लाना है। छत्तीसगढ़ के 'धान का कटोरा' होने के गौरव को रेखांकित करते हुए उन्होंने चिंता जताई कि अधिक उत्पादन की लालसा में रासायनिक खादों का अंधाधुंध इस्तेमाल बढ़ गया है। इससे तात्कालिक पैदावार भले बढ़ रही हो, लेकिन यह मानव स्वास्थ्य और मिट्टी, दोनों को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे सिर्फपारंपरिक फसलों तक सीमित न रहें, बल्कि पशुपालन, मछलीपालन और बकरी पालन को जोड़कर अपनी आय के नए स्रोत बनाएं।

किसानों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कृषि मंत्री ने बताया कि सरकार ने 'कृषक उन्नति योजना' का दायरा और बढ़ा दिया है। अब खरीफसीजन में धान के बदले दलहन (दालें) और तिलहन (तेल बीज) की खेती करने वाले किसानों को सरकार की तरफसे 15 हजार रुपए प्रति एकड़ की दर से आदान सहायता राशि (इनपुट सब्सिडी) दी जाएगी। उन्होंने क्षेत्र के किसानों से इस योजना का बढ़-चढ़कर लाभ उठाने का आग्रह किया।

समारोह को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का सपना जैविक खेती के जरिए ही साकार हो सकता है। उन्होंने कहा कि पुराने समय में हमारी कृषि का मूल आधार पशुधन हुआ करता था, जिससे पर्यावरण और जमीन दोनों सुरक्षित थे। आज रासायनिक खादों के कारण पानी, हवा और भोजन सब प्रदूषित हो रहे हैं। जैविक खेती से जब हमारी जमीन की सेहत सुधरेगी, तभी हमें शुद्ध अन्न मिलेगा और हमारा समाज स्वस्थ रहेगा।

योजनाओं के हितग्राहियों को मिला लाभ

कार्यशाला केवल विमर्श तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें शासन की कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम में अतिथियों के हाथों 5 किसानों को अरहर बीज किट, 5 किसानों को नैनो यूरिया और 2 मछुआ समितियों को आधुनिक महाजाल व आइस बॉक्स का वितरण किया गया। इसके साथ ही पीएम किसान सम्मान निधि और पीएम आशा योजना के तहत उत्कृष्ट काम करने वाले 5-5 किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष, पूर्व विधायक डॉ. सनम जांगड़े, जिला पंचायत सीईओ, सहित भारी संख्या में प्रगतिशील किसान और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे शुभारंभ, 29-30 जून को होगा दो दिवसीय आयोजन

रामगढ़ महोत्सव को भव्य बनाने मंत्री अग्रवाल ने तैयारियों का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने गुरुवार को सरगुजा जिले के विकासखंड उदयपुर स्थित रामवनगमन पर्यटन परिपथ एवं विश्व की प्राचीनतम नाट्यशाला रामगढ़ का विस्तृत स्थल निरीक्षण कर महोत्सव की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आयोजन स्थल पर पहुंचकर विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित होने वाला यह महोत्सव प्रदेश की सांस्कृतिक अस्मिता का महत्वपूर्ण उत्सव होगा, इसलिए आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं आकर्षक होनी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने सीताबेंगरा, हाथी पोल, हेलीपैड, मुख्य मंच, पार्किंग स्थल, पंडाल, बैठक व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए जाने वाले प्रदर्शनी एवं विभागीय स्टॉलों की तैयारियों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने विशेष रूप से सीताबेंगरा और हाथी पोल क्षेत्र में पर्यटकों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि महोत्सव में आने वाले पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मूलभूत सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा, आगंतुकों की आवाजाही, यातायात नियंत्रण, सुरक्षा प्रबंधन तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए आयोजन को सफल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करें ताकि रामगढ़ महोत्सव प्रदेश की सांस्कृतिक गरिमा के अनुरूप भव्य और यादगार आयोजन के रूप में स्थापित हो। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि रामगढ़ महोत्सव प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, ऐतिहासिक धरोहरों और पुरातात्विक महत्व को नई पहचान देने का अवसर है। यह आयोजन न केवल पर्यटन को नई गति देगा, बल्कि स्थानीय कला, संस्कृति, लोक परंपराओं एवं रोजगार के नए अवसरों को भी प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस आयोजन से देश-विदेश के पर्यटकों का आकर्षण रामगढ़ की ओर बढ़ेगा और सरगुजा क्षेत्र पर्यटन के नए केंद्र के रूप में स्थापित होगा।

उन्होने आगे कहा कि रामगढ़ महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम है। रामगढ़ की विश्वविख्यात धरोहरों, सीताबेंगरा एवं जोगीमारा गुफाओं तथा रामवनगमन पर्यटन परिपथ को पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य को लेकर आगामी 29 एवं 30 जून को आयोजित होने वाले दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव की सभी तैयारियां समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण की जा रही हैं। कलेक्टर अजीत वसंत ने भी सभी विभागीय अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का समय पर निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल, उदयपुर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वेद प्रकाश गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बोर्ड वैद्यों की स्वास्थ्य परंपराओं, पारंपरिक ज्ञान संरक्षण और उत्थान के लिए प्रतिबद्ध : विकास मरकाम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा 24 जून को रायपुर में वैद्यों के हितकारी योजनाओं की कार्ययोजना एवं भविष्य के रोडमैप पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने की।

इस अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों एवं सुदूर अंचलों से आए 8 वैद्य संघों के 60 प्रतिनिधि वैद्य शामिल हुए। बैठक के प्रारंभ में बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम एवं उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने सभी वैद्य प्रतिनिधियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे. ए. सी. एस. राव ने बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए वैद्यों के संरक्षण और सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि पारंपरिक उपचार पद्धतियों और औषधीय ज्ञान को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से नियमित रूप से वैद्य सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक कुल 11 वैद्य सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 1 राज्य स्तरीय, 6 संभाग स्तरीय और 4 जिला स्तरीय सम्मेलन शामिल हैं।

बोर्ड द्वारा वैद्यों को औषधीय पौधों की खेती, विनाश-विहीन विदोहन तकनीक तथा वनौषधियों के संरक्षण संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किए जाते हैं। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से वैद्य पारंपरिक उपचार पद्धतियों से जुड़े अपने अनुभवों और ज्ञान का आदान-प्रदान भी करते हैं। वैद्यों की पारंपरिक उपचार पद्धतियों को मान्यता देने के उद्देश्य से बोर्ड द्वारा क्वालिटी काउंसिल ऑफइंडिया (त्त्ट्ठ) के माध्यम से अब तक 37 वैद्यों का प्रमाणीकरण कराया गया है। इससे उनकी सेवाओं की विश्वसनीयता और पहचान को बढ़ावा मिला है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950